हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 28 मई 2025 | अंक 222/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान ही ?

•जोडों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोध• सरवाइकल पेन

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

भारत-अमेरिका में कोरोना फिर सक्रिय

बढ़े केस और मौतें

नई दिल्ली.

एक बार फिर से कोरोना वायरस ने सिर उठाना शुरू कर दिया है. भारत हो या अमेरिका, दोनों देशों में कोविड-19 के मामलों में इजाफा देखा जा रहा है भारत में जहां नए मरीज सामने आ रहे हैं, वहीं अमेरिका में कोरोना अब भी हर हफ्ते सैकड़ों लोगों की जान ले रहा है, ऐसा नहीं है कि पहले जैसी भयावह स्थिति है, लेकिन यह जरूर साफ हो गया है कि कोरोना पूरी तरह गया नहीं है. पिछले कुछ हफ्तों से देश के अलग-अलग हिस्सों से कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं. हाल ही में नोएडा में कोविड के 9 नए केस रिपोर्ट हुए हैं. जिसके बाद वहां एक्टिव मरीजों की संख्या 10 हो गई है. सभी मरीज फिलहाल होम आइसोलेशन में हैं. देश भर की बात करें तो एक हफ्ते में 1000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं. सिर्फ आंकड़े ही नहीं, कोरोना से हो रही मौतों ने भी एक बार फिर डर बढ़ा दिया है. अब तक 7 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, हालांकि ये साफ नहीं हो पाया है कि उनकी मौत की वजह सिर्फ कोरोना ही थी या कोई और बीमारी भी कारण बनी. इसी तरह थाईलैंड में स्थिति खराब होती दिख रही है, यहां पर महज एक हफ्ते में कोरोना के 50 हजार से ज्यादा नए केस सामने आए हैं. दूसरी तरफ अमेरिका में कोरोना अब भी जान ले रहा है, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के मुताबिक, बीते हफ्ते 350 अमेरिकियों की मौत कोविड-19 की वजह से हुई है.

यह संख्या पहले की तुलना में कम है लेकिन चिंता अभी भी बनी हुई है. एक नया सब-वेरिएंट एनबी.1.8.1 अमेरिका समेत एशिया, सिंगापुर और हांगकांग में फैल रहा है। वैज्ञानिकों की मानें तो यह वेरिएंट ज्यादा तेजी से फैलता है, हालांकि इसकी गंभीरता को लेकर अभी रिसर्च जारी है.

वैक्सीन की कम डोज और कमजोर इम्युनिटी बना रही है खतरा : अमेरिका में सिर्फ 23% वयस्कों ने ही अपडेटेड वैक्सीन ली है. बच्चों में यह आंकड़ा और भी कम है सिर्फ 13%. विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन ना लगवाना और समय के साथ इम्युनिटी का कमजोर होना, दोनों मिलकर इस स्पाइक की वजह बन रहे हैं. बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में वायरस का असर ज्यादा हो रहा है. इसलिए 65 साल से ऊपर के लोगों को हर छह महीने में वैक्सीन की दो डोज लेने की सलाह दी गई है.

इलाज में लापरवाही भी बढ़ा रही है रिस्क

एक बड़ी वजह यह भी है कि लोग तब तक इलाज नहीं लेते जब तक हालत बिगड़ न जाए. अमेरिका में मोलनुपिराविर (मर्कक), पैक्सलोविड (पफिज़र) जैसी एंटीवायरल गोलियां उपलब्ध हैं, जो लक्षण शुरू होने के पांच दिन के अंदर ली जा सकती हैं. लेकिन कई लोग इनका सही समय पर इस्तेमाल नहीं करते. डॉक्टरों का कहना है कि सही वक्त पर टेस्ट और दवा से गंभीर संक्रमण रोका जा सकता है.

गलवान संघर्ष के बाद फिर तेज हुआ चाइनीज सामानों का बहिष्कार अभियान

नई दिल्ली.

2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद से भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण हैं. विपक्ष का आरोप रहा है कि चीन ने लद्दाख में 1,000 वर्ग किमी क्षेत्र पर कब्जा किया है और पैंगोंग झील के पास बंकर बनाए हैं. 21 दौर की सैन्य वार्ता के बावजूद 2020 के बाद भी कोई महत्वपूर्ण प्रगति नजर नहीं आती है. शायद यही कारण रहा है कि भारत ने खुलकर चीन से आने वाले सामान, कई एप्लिकेशन पर प्रतिबंध लगाए. ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्या भारत ने चाइनीज सामानों के बहिष्कार का पार्ट-2 शुरू करने वाली है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की बात की. इसमें उन्होंने देशवासियों से स्वदेशी सामान अपनाने और विदेशी वस्तुओं का उपयोग कम करने की अपील की. इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करना है.

पीएम मोदी ने जिस तरह विदेशी सामानों के बहिष्कार की बात की है उसका सीधा संबंध चीन से ही है. क्योंकि भारतीय बाजारों में चाइनीज

सामान का पिछले 2 दशकों से अंबार लगा हुआ है. मोदी जिस तरह से अपनी गांधीनगर की स्पीच में पिचकारी से लेकर भगवान गणेश तक का नाम लेते हैं उससे साफ जाहिर हो जाता है कि उनका इशारा किस देश की ओर है. गलवान संघर्ष के बाद जो बहिष्कार शुरू हुआ था उसे एक बार फिर शुरू करने की जरूरत है. आइये देखते हैं कि क्यों भारत के लिए जरूरी हो गया है चीन के सामानों का बहिष्कार किया जाए.

पाकिस्तान और बांग्लादेश को लगातार भड़का रहा है चीन : चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश को भारत के खिलाफ रणनीतिक रूप से शह देने के लिए आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक तरीकों का उपयोग कर रहा है, जिसका मकसद भारत को क्षेत्रीय स्तर पर कमजोर करना और दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाना है.

क्या इसे चीन पर स्ट्राइक कह सकते हैं? : वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 118.4 अरब डॉलर था, जिसमें भारत ने 101.75 अरब डॉलर का आयात किया और केवल 16.66 अरब डॉलर का निर्यात किया, जिससे व्यापार घाटा 85.09 अरब डॉलर रहा. यदि भारत चीनी सामानों का पूर्ण बहिष्कार करता है, तो चीन को इस आयात राशि (101.75 अरब डॉलर) का नुकसान हो सकता है. हालांकि, पूर्ण बहिष्कार व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है, क्योंकि भारत कई क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और कई उद्योगों के लिए कच्चा माल के लिए चीन पर निर्भर है.

मुंबई में रिकॉर्डतोड़ बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, सड़कों पर भरा पानी

मुंबई.

मई में भारी बारिश के चलते लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. मई के महीने में मुंबई में पहली बार इतनी बारिश हुई है. पहली ही बारिश में मुंबई डूब गई. मुंबई के कई इलाके जलमग्न हैं. इसको लेकर बीजेपी नेता नितेश राणे ने उद्धव सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि आदित्य ठाकरे और उनके पापा (उद्धव ठाकरे) की जब मुंबई और महाराष्ट्र में सरकार थी, तब उन्होंने विकास के बजाय भ्रष्टाचार किया, जिस कारण मुंबई आज भी बारिश में बदहाल हो रही है. आदित्य ठाकरे अगर डिनो मोरया के साथ अय्यासी करने के बजाय मुंबई के हित में काम करते तो ये नौबत न आती. मुंबई न डूबती.

मुंबई में टूटा 107 साल का रिकॉर्ड : मुंबई में समय से पहले पहुंचे मानसून ने

पिछले 107 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. पिछले 69 साल में ऐसा पहली बार हुआ है कि मानसून इतना जल्दी मुंबई पहुंचा है. इससे पहले 1956 में ऐसा हुआ था. मुंबई में मई के महीने में रिकॉर्ड 295 मिलीमीटर बारिश हुई है. मई में हुई इस मूसलाधार बारिश ने पिछले 107 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. इससे पहले 1918 में ऐसी बारिश हुई थी. दरअसल, दक्षिण-पश्चिम मानसून 26 मई को ही मुंबई में दस्तक दे दी. इससे पहले 1956 में ऐसा हुआ था. उस समय दक्षिण-पश्चिम मानसून 29 मई को मुंबई पहुंचा था. मुंबई में मानसून के पहुंचने का समय 11 जून के आसपास का है. मगर इस बार समय से 16 दिन पहले इसका आगमन हो गया. पिछले साल दक्षिण-पश्चिम मानसून 6 जून के आसपास मुंबई पहुंचा था.

संजय राउत को सीमा पर खड़ा करना चाहिए- राणे

वहीं, ऑपरेशन सिंदूर पर संजय राउत के बयान को लेकर नितेश राणे ने कहा कि संजय राउत को सीमा पर खड़ा करना चाहिए और ऐसी जगह गोली लगेगी तब पता चलेगा ऑपरेशन सिंदूर सफल हुआ कि नहीं. संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर एक फेलियर ऑपरेशन बताया है. उनके इसी बयान को लेकर राणे ने उन पर (राउत) पलटवार किया. पहलगाम हमले के बाद सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया था. 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई.

1984 सिख दंगा पीड़ितों को मिला इंसाफ

19 परिवारों को मिली सरकारी नौकरी

नई दिल्ली.

दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवारों को 42 साल बाद आखिरकार इंसाफ की नई किरण दिखाई दे रही है. दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने सोमवार को 19 पीड़ित परिवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे. इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति पत्र सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि उन पीड़ितों के साथ न्याय है जो बेगुनाह होते हुए भी मारे गए. मुख्यमंत्री ने कहा कि जब 1984 में भयावह दंगा हुआ था, तब कांग्रेस सरकार ने इन पीड़ित परिवारों की सुध नहीं ली. एक-एक परिवार के कई लोगों को बेरहमी से मारा गया लेकिन इन परिवारों को न तो न्याय मिल पाया और न ही कोई मुआवजा दिया गया. अब हमारी सरकार 125 सिख दंगा पीड़ितों को नौकरी दे रही है, जिनमें से 19 की जॉइनिंग भी हो चुकी है. इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी सरकार की इस पहल को ऐतिहासिक कदम बताया. उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं जो 1984 के दंगों में बच गए थे. अदालत के आदेश के बावजूद पिछली आप सरकार ने इन्हें नौकरी नहीं दी. आज भाजपा सरकार के तहत 125 लोगों को नौकरी मिली है. यह दंगा पीड़ित परिवारों के साथ असली न्याय है. सिरसा ने कांग्रेस सरकारों पर भी निशाना साधा और कहा कि 1984 के दंगों के असली दोषियों को बचाया गया और पीड़ितों को नजरअंदाज किया गया.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार बिहार आएंगे मोदी, 29-30 मई का दौरा तय

पटना.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार नरेंद्र मोदी वापस उसी भूमि पर जा रहे हैं, जहां से उन्होंने पाकिस्तान को तबाह करने की कसम खाई थी. जानकारी के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी दो दिवसीय (29 और 30 मई) बिहार दौरे पर रहेंगे. पटना में मेगा रोड शो होगा. इस बीच 32 जगह उनका अभिनंदन किया जाएगा. प्रधानमंत्री दो दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए पूरा बिहार सम्मानित करना चाहता है. जायसवाल ने बताया कि मोदी बिहार में दो दिवसीय दौरे

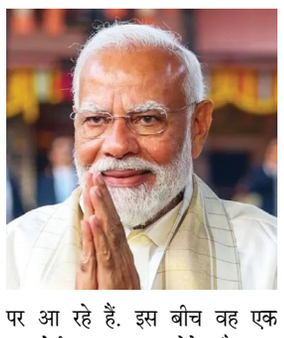

पर आ रहे हैं. इस बीच वह एक एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे और एक अन्य एयरपोर्ट की आधारशिला रखेंगे. इसके बाद पटना में एक भव्य रोड शो भी होगा. प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल ने बताया कि 29 और 30 मई को अपने दौरे पर पीएम मोदी एयरपोर्ट के टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे. इसके अलावा शहर के बाहरी इलाके बिहटा में एक नए एयरपोर्ट की आधारशिला भी रखेंगे. इसके बाद पार्टी कार्यालय आएंगे. पटना में रात बिताने के बाद प्रधानमंत्री शुक्रवार को रोहतास जिले के बिक्रमगंज में कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे. वो एक रैली को भी संबोधित करेंगे, जहां मतदान से संबंधित बात करेंगे. पीएम के दौरे के मद्देनजर पटना में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. जायसवाल ने कहा कि इस बार मोदी की रैली सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी. रोड शो के दौरान 32 जगह उनका भव्य अभिनंदन किया जाएगा. हालांकि, अभिनंदन समारोह किसी राजनीतिक दल को लेकर नहीं किया जाएगा.

नॉर्थ कोरिया ने ट्रंप के गोल्डन डोम फैसले पर जताई कड़ी नाराजगी

प्योंगयेंग.

दुनिया भर में जारी उथल-पुथल के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक फैसले पर नॉर्थ कोरिया ने नाराजगी जाहिर की है. नॉर्थ कोरिया की सरकार ने अपने एक बयान में कहा है कि अमेरिका जंग की स्थिति पैदा करना चाह रही है. अमेरिका ने खुद को नहीं सुधारा तो परमाणु युद्ध को कोई नहीं रोक पाएगा. नॉर्थ कोरिया न्यूज के मुताबिक किम जोंग उन की सरकार गोल्डन डोम से नाराज है. अमेरिका ने अपने एरिया को सुरक्षित रखने के लिए गोल्डन डोम बनाने की बात कही है. इसे अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा, जिससे आने वाले वक्त में उसके एरिया में कोई भी मिसाइल अटैक न हो पाए. ट्रंप के दूसरे

कार्यकाल में किम जोंग उन की तरफ से पहली बड़ी धमकी दी गई थी. किम की सरकार ने अमेरिका से इसे तुरंत वापस लेने के लिए कहा है. नॉर्थ कोरिया का कहना है कि अमेरिका अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए दुनिया को खतरे में डाल रहा है. किम जोंग उन की नाराजगी की बड़ी वजह जापान और दक्षिण कोरिया से अमेरिका का संबंध है. किम को लगता है कि अगर अमेरिका में गोल्डन डोम का अभियान सफल हो जाता है तो इस सिस्टम को दक्षिण कोरिया और जापान में भी लागू किया जाएगा.

दिल्ली में मौसम की उथल-पुथल तेज आंधी-बारिश से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली.

दिल्ली के लिए इस साल मई का महीना काफी मौसमी हलचल से भरा रहा. एक के बाद एक कई सारी हलचलों ने मौसम को जरूरत से अधिक गर्म नहीं होने दिया तो बारिश के साथ तेज हवाओं ने परेशानी भी बढ़ाई. आंधियों का दौर तो कुछ ऐसा चला कि जमीन से लेकर वायु यातायात तो प्रभावित हुआ ही, अलग अलग घटनाओं में दर्जनों जान भी गई. हर किसी के जेहन में अब यही सवाल है कि क्या आने वाले दिनों में भी भयंकर आंधी और बारिश देखने को मिलेगी या फिर अब राहत जारी रहेगी. इस हफ्ते के आखिर में एक बार फिर मौसम का रुख बदलने वाला है. एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस अफगानिस्तान के आसपास देखा जा रहा है जो 29 मई से उत्तर पश्चिम भारत में फिर से अपना असर दिखाएगा. 25 मई की रात को ही वेस्टर्न डिस्टरबेंस ने अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से मिलने वाली नमी के साथ खूब गदर काटा था. इसलिए दो दिन बाद जब नया

सिस्टम आएगा तो उसे भी अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी मिलने की पूरी संभावना है और राजस्थान के पास एक हीट लो बन रहा है जिसकी वजह से तेज आंधी आ रही है. यह महीना पहले ही दिल्ली के इतिहास का सबसे ज्यादा बारिश वाला मई महीना बन चुका है. आने वाले दिनों में अगर और बारिश होती है तो यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा. फिलहाल ये सभी बारिश 'मानसून पूर्व बारिश' की श्रेणी में ही आती हैं. जून के महीने में मानसून जब दिल्ली में दस्तक देगा तो बारिश का असर और ज्यादा देखने को मिल सकता है.

चीन के कर्ज-बोझ तले दबे 75 गरीब देश

> 2025 में 22 अरब डॉलर चुकाना अनिवार्य

बीजिंग.

चीन गरीब देशों को कैसे अपने कर्ज के जाल में फंसाता है, इसका ताजा उदाहरण सामने आया है. एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि चीन ने गरीब और कमजोर देशों को इतना कर्ज दे दिया है कि वो अब कर्ज चुकाने का भारी दबाव झेल रहे हैं. दुनिया के 75 सबसे गरीब देश चीन के कर्ज तले दबे हैं और उन्हें इस साल कर्ज की किस्त के रूप में 22 अरब डॉलर का कर्ज चीन को चुकाना है. ऑस्ट्रेलियाई विदेश नीति थिंकटैंक लोवी इंस्टीट्यूट ने मंगलवार को एक विश्लेषण प्रकाशित किया जिसमें कहा गया कि इस साल 75 गरीब देशों को चीन को रिकॉर्ड कर्ज की किस्त चुकानी है. लोवी के कैलकुलेशन के मुताबिक, दुनिया के 75 सबसे गरीब देशों को चीन ने 35 अरब डॉलर का कर्ज दे रखा है. रिपोर्ट में कहा गया है, 'वर्तमान में और इस दशक के आने वाले समय में, चीन विकासशील देशों के लिए बैंकर के मुकाबले कर्ज वसूलने वाला ज्यादा रहेगा. ' गरीब देशों पर

अधिक ब्याज के साथ चीनी कर्ज चुकाने का दबाव उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में खर्च को भी प्रभावित कर रहा है और ये देश कर्ज चुकाने के दबाव में जरूरी मुद्दों पर फोकस नहीं कर पा रहे.रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'चीन ने कर्ज देना ठीक उसी समय पर बंद कर दिया जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी. देश जब पहले से ही गंभीर आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं, चीन ने उनसे कर्ज वसूलना शुरू कर दिया है.'

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के जरिये गरीब देशों को कर्ज-जाल में फंसा रहा चीन

75 गरीब देशों को यह कर्ज चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, बीआरआई' के तहत जारी किए गए थे. इसके तहत चीन गरीब और विकासशील देशों में स्कूल, पुल और अस्पताल से लेकर सड़क, शिपिंग और हवाई अड्डा के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज दे रहा है. चीन अधिक ब्याज पर गरीब देशों को कर्ज देकर उन्हें कर्ज के जाल में फंसा रहा है और फिर वहां अपनी रणनीतिक मौजूदगी मजबूत करने की चाल चल रहा है. कर्ज देने की होड़ की वजह से ही चीन आज दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदाता बन गया है. 2016 में चीन का कुल कर्ज बढ़कर 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया था जो कि सभी पश्चिमी कर्जदाताओं को संयुक्त कर्ज से ज्यादा है.पिछले महीने लोवी इंस्टीट्यूट ने एक विश्लेषण में पाया कि लाओस एक गंभीर कर्ज संकट में फंस गया है क्योंकि उसने घरेलू ऊर्जा क्षेत्र में खूब निवेश किया है. चीन ने उसे खूब कर्ज दिया और बिना सोचे-समझे लाओस घरेलू ऊर्जा में निवेश करता गया. अब वो कर्ज तले दबा हुआ है. चीन की सरकार हालांकि, इन आरोपों से इनकार करती है कि वो किसी देश को जानबूझकर कर्ज जाल में फंसा रही है. कई देशों का भी कहना है कि जब सभी देशों ने उन्हें कर्ज देने से इनकार कर दिया तब चीन ने ही कर्ज की पेशकश की.

सीएम भगवंत मान ने किया ऐलान

हवाई यात्रा से भेजे जाएंगे मेरिट में आए छात्र

नई दिल्ली.

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को देश के प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में भेजने की घोषणा की है. इन छात्रों को हवाई यात्रा के माध्यम से शैक्षिक भ्रमण के लिए भेजा जाएगा ताकि उनके ज्ञान के दायरे को विस्तार मिल सके. मुख्यमंत्री ने अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों की प्रशंसा की. दसवीं और बारहवीं कक्षा में मेरिट में आए छात्रों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए गर्व और संतुष्टि का क्षण है. मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जहां छात्रों ने इस सफलता के लिए आधी-आधी रात तक मेहनत की है, वहीं इन छात्रों का मार्गदर्शन करने वाले माता-पिता और शिक्षकों का योगदान भी कम नहीं है. भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार ने इन छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए इस तरह के समारोह का आयोजन किया है. सभी सफल छात्रों, शिक्षकों और उनके माता-पिता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा कि यह ऐतिहासिक दिन है. पूरे राज्य से मेधावी छात्र यहां पहुंचे हैं. इन युवाओं को सम्मानित करना राज्य सरकार का सौभाग्य है. भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह समारोह मुख्य रूप से छात्रों में विश्वास पैदा करने का अभ्यास है क्योंकि वे भविष्य

के नेता हैं. भगवंत मान ने कहा कि अब ये छात्र अपने जूनियर्स के लिए रोल मॉडल बन गए हैं और यह उनका नैतिक कर्तव्य है कि वे अन्य छात्रों को भी सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करें. भगवंत सिंह मान ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उनके लिए इन आत्मविश्वास से भरे बच्चों से बातचीत करना बहुत गर्व और खुशी का क्षण है, जो शानदार करियर बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं.

पिछली सरकारों पर भी साधा निशाना : मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर कभी ध्यान नहीं दिया. उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं के बेटे और बेटियां पहाड़ों में कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़ते थे, जिसके कारण सरकारी स्कूल कभी उनके ध्यान में नहीं रहे. भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान सरकारी स्कूल शिक्षा देने के बजाय केवल मिड-डे मील सेंटर बनकर रह गए थे. उन्होंने कहा कि छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि यह छात्रों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे उनके जीवन में बदलाव आता है. भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिक्षक बहुत खुश होते हैं, जब वे अपने छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छूते हुए देखते हैं.

पंजाब में शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन

मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि पंजाब में शिक्षा क्षेत्र अब एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों के लिए शानदार परिणाम आएंगे और सरकार के प्रयासों को और बल मिलेगा. उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है और पंजाब निश्चित रूप से देश भर में रोल मॉडल के रूप में उभरेगा. भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग गैर-शैक्षणिक कार्यों के बजाय केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाए. इससे पहले शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मुख्य मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का समारोह में पहुंचने पर स्वागत किया.

शुगर स्टॉक्स बने निवेशकों की कमाई की मशीन

नई दिल्ली.

पिछले एक साल में 10 शुगर स्टॉक्स 9% रिटर्न के साथ बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं. चीनी प्रोडक्शन में कमी की उम्मीदों के कारण कीमतों में तेजी आई है इसके साथ ही सरकार इथेनॉल मिश्रण पर जोर दे रही है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है. पिछले 12 महीनों में 13 स्टॉक्स पॉजिटिव परफॉर्म कर रहे हैं. जिसके कारण शुगर स्टॉक्स में भी निवेशक मीठा एक्सपीरियंस कर रहे हैं. इन शेयर की कीमत 20 रुपए या फिर उससे ज्यादा है और केसर एंटरप्राइजेज की मार्केट कैपिटलाइजेशन 73 करोड़ रुपए है. हालांकि दूसरे का मार्केट कैपिटलाइजेशन 100 करोड़ रुपए से ज्यादा है.बन्नारी अम्मान शुगर 77% रिटर्न के साथ चार्ट में सबसे ऊपर है और उसके बाद ईआईडी पैरी (इंडिया) और प्रूडेंशियल शुगर कॉर्पोरेशन हैं, जिन्होंने 1 साल में 54% और 49% रिटर्न दिया है. बलरामपुर चीनी मिल्स, इंडियन सुक्रोज, त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज, डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज, रावलगांव शुगर फार्म, मगध शुगर एंड एनर्जी और केसीपी शुगर एंड इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन ने 47% से 10% के बीच रिटर्न दिया है. इस बीच उत्तम शुगर मिल्स, मवाना शुगर्स और अवध शुगर एंड एनर्जी ने 5% तक सिंगल-डिजिट रिटर्न दिया है.एम फाइनेंशियल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के बुवाई सीजन के लिए भारत के चीनी प्रोडक्शन के अनुमान ब्रोकरेज ने कहा, "नेशनल फेडरेशन ऑफ कोआपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज द्वारा चीनी प्रोडक्शन का अनुमान 25.९एमएमटी रहा, जो पिछले अनुमान और बुवाई सीजन 2024 से कम है. ४क्यूएफवाय 25 में,घरेलू चीनी की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है क्योंकि चीनी मिलें निश्चित लागतों की भरपाई के लिए घरेलू कीमतें बढ़ा रही हैं.

सबसे कम रिटर्न देने वाले शेयर

शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स, द उग्र शुगर वर्क्स और केसर एंटरप्राइजेज में देखी गई है, जिनमें 36%, 36% और 34% की गिरावट आई है. दूसरे में धामपुर शुगर मिल्स, गोदावरी बायोरिफाईनरीज, द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज, बजाज हिंदुस्तान शुगर, शक्ति शुगर्स, पोन्नी शुगर्सबी पिकाडिली शुगर एंड अलाइड इंडस्ट्रीज, श्री रेणुका शुगर्स, राजश्री शुगर एंड केमिकल्स, के.एम. शामिल हैं. शुगर मिल्स, डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज, एसबीईसी शुगर, धामपुरे स्पेशलिटी शुगर्स, जुआरी इंडस्ट्रीज और सर शादी लाल एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत में 34% और 1.5% की गिरावट देखी गई है.

एयरटेल ने लॉन्च किया नया ओटीटी एंटरटेनमेंट पैक

नई दिल्ली.

भारत की अग्रणी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने प्रीपेड ग्राहकों के लिए एक नया और अनोखा एंटरटेनमेंट पैक पेश किया है। यह पैक ₹ 279 की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है और इसमें 1 महीने की वैधता के साथ नेटफ्लिक्स, जियोसिनेमा, ज़ी5, सोनीलिव समेत 25 से अधिक टॉप ओटीटी प्लेटफॉर्म्स तक एक्सेस मिलेगा। इस पैक का कुल मूल्य 750 तक का है, जिससे यूज़र्स को किफायती दर पर समृद्ध मनोरंजन अनुभव प्राप्त होगा। कंपनी ने 598 में एक और प्रीपेड पैक लॉन्च किया है जिसमें अनलिमिटेड 5जी डेटा, अनलिमिटेड कॉल्स और ओटीटी कंटेंट का भी असीमित आनंद मिलेगा। एयरटेल भारत की पहली टेलीकॉम कंपनी है जो इतने व्यापक स्तर पर ओटीटी सेवाएं एकसाथ पेश कर रही है।

ग्राहक अब नेटफ्लिक्स, जियोहॉटस्टार, ज़ी5, सोनीलिव, लायंसगेटप्ले, एएचए, सन नेक्स्ट, होईचोई, इरोसनॉव और शेमारूमी जैसे प्लेटफॉर्म्स से टीवी शो, फिल्में और डॉक्यूमेंट्रीज का आनंद ले सकते हैं। कंपनी का उद्देश्य है कि यूज़र्स को एक ही पैक में सभी मनोरंजन विकल्प सहज रूप से उपलब्ध हों ताकि उन्हें अलग-अलग सदस्यताओं का झंझट न उठाना पड़े।

यह पैक 16 से अधिक भाषाओं में कंटेंट उपलब्ध कराता है और यूज़र्स को इंटरनेशनल, बॉलीवुड और रीजनल कंटेंट तक आसानी से पहुंच प्रदान करता है। यह पहल एयरटेल की डिजिटल सेवाओं को मजबूत बनाती है और ग्राहकों को मनोरंजन में अधिक लचीलापन और सुविधा प्रदान करती है।

एलटीए और न्यू टैक्स सिस्टम मिलेगा फायदा या नहीं?

नई दिल्ली.

साल 2025-26 के लिए इनकम टैक्स के नियमों में काफी बदलाव हुए हैं. न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा. लेकिन आज भी कई लोगों के मन में ये सवाल है क्या एलटीए यानी लीव ट्रैवल अलाउंस पर मिलने वाली टैक्स छूट न्यू टैक्स रिजीम अपनाने पर भी जारी रहेगी या नहीं? चलिए आपको इस सवाल का जवाब देते हैं.न्यू टैक्स रिजीम में एलटीए पर टैक्स छूट का कोई प्रावधान नहीं है. इसलिए आपका इसका लाभ नहीं उठा सकते हैं. अगर आप वित्त वर्ष 2025-26 के लिए न्यू -टैक्स रिजीम को चुनते हैं और आपकी सैलरा मेंएलटीए शामिल है तो उस पर टैक्स देना होगा. चाहे आप बिल जमा करें या फिर नहीं. अगर आपकी कंपनी की ओर से आपको एलटीए मिलता है और आपने न्यू टैक्स रिजीम के तहत टीडीएस कटवाने का ऑप्शन चुना है. तो वो पूरी रकम आपकी टैक्सेबल इनकम में शामिल होगी. मतलब एलटीए पर छूट की सुविधा केवल पुरानी टैक्स रिजीम में ही उपलब्ध है.

अगर आप प्राइवेट नौकरी करते हैं और एलटीए पर छूट का फायदा लेना चाहते हैं तो आपको पुरानी टैक्स रिजीम ही अपनानी होगी. आप ओल्ड टैक्स सिस्टम के तहत सेक्शन 10(5) के तहत एलटीए पर छूट का दावा भी कर सकते हैं. लेकिन आपको इसके लिए कुछ नियमों का पालन करना होगा.इसका जवाब भी नहीं है. प्राइवेट और सरकारी दोनों कर्मचारियों के लिए एलटीए छूट के नियम एक सामान्य ही है. दोनों ही कैटेगरी के कर्मचारी अगर पुरानी टैक्स रिजीम चुनते हैं तो उन्हें साल में दो बार छूट मिल सकती है. वहीं भारत में वो कही भी ट्रैवल करें. अगर आपने ट्रैवल पर 40 हजार रुपए खर्च किए हैं, लेकिन कंपनी की ओर से सैलरी पैकेज में एलटीए की रकम 30 हजार रुपए है तो आपको 30 हजार रुपए तक ही टैक्स छूट मिलती है.

क्या हर साल मिलती है टैक्स छूट : इसका जवाब है नहीं एलटीए पर कोई टैक्स छूट नहीं मिलती है. लेकिन ये सुविधा चार साल के एक ब्लॉक में दो बार मिलती है. अभी के ब्लॉक 1 जनवरी 2022 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2025 तक रहा. आप इस दौरान दो यात्राओं पर एलटीए छूट क्लेम कर सकते हैं.

अगर किसी कर्मचारी ने इस ब्लॉक में एक ही ट्रैवल किया है तो वो ट्रैवल को अगले ब्लॉक के पहले साल में ट्रांसफर कर सकता है.

मॉनसून और शेयर बाजार

> बारिश से जुड़ी क्या है कमाई की कहानी

नई दिल्ली.

महंगाई में कमी, ग्लोबल टैरिफ टेंशन में कमी और मार्च तिमाही के उम्मीद से बेहतर नतीजों के कारण भारतीय शेयर बाजार इस महीने अच्छी स्थिति में रहा है. अब, मानसून की बारिश निर्धारित समय से आठ दिन पहले आ रही है, जो 16 वर्षों में सबसे जल्दी है. दक्षिण-पश्चिम मानसून के जल्दी आने से, जो केरल से आगे महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में तेजी से फैल गया है, चावल, कपास, मक्का और गन्ना जैसी खरीफ फसलें लगाने वाले किसानों को लाभ होने की उम्मीद है. जानकारों का मानना है कि इससे अच्छी फसल हो सकती है, ग्रामीण आय में वृद्धि हो सकती है और एफएमसीजी, फर्टिलाइजर और ऑटो जैसे कंज्यूमर ड्रिवन सेक्टर्स में डिमांड बढ़ सकती है.

अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर मानसून और शेयर बाजार में किस तरह का कनेक्शन है. अगर बात आंकड़ों की करें तो साल 2021 से लेकर 2023 तक मानसून सामान्य से थोड़ा कम देखने को मिला था. उसके बाद भी निफ्टी ने निवेशकों को पॉजिटिव रिटर्न दिया था. जबकि साल 2020 में नॉर्मल से बेहतर मानसून आया था, तब निफ्टी ने निवेशकों को 17 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया था. खास बात तो ये है कि साल 2013 से लेकर 2023 के बीच साल 2020 में मानसून के दौरान सबसे ज्यादा रिटर्न दिखने को मिला था. आइए आपको भी शेयर बाजार के आंकड़ों से समझाने की कोशिश करते हैं कि आखिर मानसून और शेयर बाजार में क्या कनेक्शन है और इस दौरान दलाल स्ट्रीट का परफॉर्मेंस किस तरह का देखने को मिलता है.

भारत, जिसे अक्सर कृषि की भूमि के रूप में जाना जाता है, में कृषि की गहरी जड़ें हैं और देश दुनिया के टॉप खाद्यान्न उत्पादकों में से एक है. कृषि क्षेत्र भारतीय इकोनॉमी की अभी भी रीढ़ बना हुआ है. भारत का 40 फीसदी से ज्यादा वर्कफोर्स कृषि में काम कर रहा है. लगभग 46 फीसदी घरेलू मांग ग्रामीण क्षेत्रों से आती है. इसका मतलब है कि एक मजबूत मानसून न केवल खाद्य उत्पादन में सुधार करता है-यह वस्तुओं, सेवाओं, आवास और परिवहन के लिए ग्रामीण मांग को पुनर्जीवित करता है, जिससे इकोनॉमी पर पॉजिटिव इंपैक्ट देखने को मिलता है.

वित्त वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, सभी प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार प्रदाताओं की सूची में कृषि सबसे ऊपर है, जिसमें भारत के लगभग 60% कार्यबल इस क्षेत्र में कार्यरत हैं. भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अपनी आजीविका के लिए सीधे खेती पर निर्भर है. 2024 में, भारत ने दीर्घावधि औसत की 108 फीसदी वर्षा दर्ज की- 868.6 मिमी के औसत की तुलना में 934.8 मिमी- चार वर्षों में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की. इससे किसानों को अधिक फसलें बोने में मदद मिली. 2025 में आईएमडी ने सामान्य से अधिक मौसमी वर्षा का अनुमान लगाया है, जिसका अनुमान एलपीए (87 सेमी) का 105 फीसदी है.

ड्रैगन का दबदबा कायम,ग्लोबल लिस्ट में भारत का क्या रोल

नई दिल्ली.

चीन में उपभोक्ता खर्च यानी कंज्यूमर स्पेडिंग काफी ज्यादा है। यह देश की अर्थव्यवस्था का लगभग 40 फीसदी है। महामारी से पहले दो दशकों में इसमें 9 फीसदी की वार्षिक ग्रोथ दर्ज की गई। युवा चीनी उपभोक्ता अभी भी यात्रा, बाहरी अनुभवों और गेमिंग पर खर्च कर रहे हैं। 2030 तक देश की मध्यम और उच्च वर्ग की आबादी आधा अरब से अधिक होने का अनुमान है। इससे खपत में और बढ़ोतरी हो सकती है। यही कारण है क ग्लोबल ऑनलाइन रिटेल बिक्री का सबसे बड़ा हिस्सा चीन में है, जो 50% से ज्यादा है। वह इस मामले में नंबर 1 है। लगभग 20% के आसपास हिस्सेदारी के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर है। इसके बाद ब्रिटेन, जापान और दक्षिण कोरिया हैं। भारत इस मामले में छठे नंबर पर है।

चीन के अर्थशास्त्री एक दशक से अधिक समय से चेतावनी देते रहे हैं कि बीजिंग के निवेश और निर्यात-आधारित मॉडल से ऊंचे, निरंतर विकास प्राप्त करने की सीमाएं हैं। हालांकि, संदेह है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी घरेलू खपत को महत्वपूर्ण बढ़ावा दे सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन में दीर्घकालिक उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी आश्चर्यजनक हो सकती है। चीन की खपत के बारे में निराशावादी दृष्टिकोण इसे कम करके आंकता है कि यह पहले से ही कितनी बड़ी है। उपभोक्ता खर्च देश की अर्थव्यवस्था का लगभग 40 फीसदी है।

बीसीएल रिसर्च के अनुसार, महामारी से पहले के दो दशकों में चीनी उपभोक्ता खर्च में वास्तविक रूप से 9 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की ओर से कंपाइल्ड आंकड़ों के आधार पर ग्लोबल खपत में इसकी हिस्सेदारी कई महत्वाकांक्षी और विवेकाधीन खर्च श्रेणियों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में इसकी हिस्सेदारी से कहीं अधिक है। टीएस लोम्बार्ड के अर्थशास्त्री रोरी ग्रीन का कहना है, 'चीन लगभग किसी भी उपभोक्ता उत्पाद - वाहनों और स्मार्टफोन से लेकर लक्जरी सामान और सिनेमा तक - के लिए मात्रा और मूल्य के मामले में सबसे बड़ा बाजार है।भारत की कम हिस्सेदारी क्या संकेत देती है?

वैश्विक ऑनलाइन खुदरा बिक्री में भारत की कम हिस्सेदारी कई बातें दर्शाती है। पहला, भारत में ऑनलाइन खुदरा बाजार में विकास की काफी संभावना है। अन्य बड़े बाजारों की तुलना में कम हिस्सेदारी का मतलब है कि भविष्य में विस्तार के लिए अधिक जगह है। भारत का ऑनलाइन खुदरा बाजार अभी भी अपेक्षाकृत शुरुआती चरण में हो सकता है, खासकर चीन और अमेरिका जैसे अधिक परिपक्व बाजारों की तुलना में। भारत में अभी भी ऑफलाइन रिटेल का महत्वपूर्ण स्थान है। कई उपभोक्ता अभी भी पारंपरिक खरीदारी को प्राथमिकता देते हैं।

हवाई जहाज के बाद टाटा का अगला कदम

नई दिल्ली.

अब टाटा की कंपनी हेलिकॉप्टर भी बनाएगी. यूरोपीय विमानन कंपनी एयरबस और टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड मिलकर भारतीय वायु सेना के लि1एच 25 हेलीकॉप्टरों की अंतिम असेंबली लाइन कर्नाटक के कोलार जिले में स्थापित करेंगे. ईटी के रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले से अवगत लोगों के हवाले से इस बात की जानकारी मिली है. बता दें, ये भारत की पहली निजी क्षेत्र की हेलीकॉप्टर असेंबली यूनिट होगी और भारत सरकार की मेक इन इंडिया की पहल को भी पहले से काफी मजबूती देगी. इसका साफ मकसद एयरोस्पेस निर्माण में आत्मनिर्भरता को हासिल करना है.ये यूनिट एयरबस की सबसे अधिक बिकने वाली सिविल कैटेगरी की एच 125 हेलीकॉप्टर को बनाएगी. फ्रांस, अमेरिका और ब्राजील के बाद दुनिया का चौथा ऐसा संयंत्र होगा. कंपनी शुरुआत में ये 10 हेलीकॉप्टरों की सालाना प्रोडक्शन क्षमता के साथ काम करेगी. लेकिन आने वाले समय में इसका विस्तार और भी तेजी से किया जाएगा. क्योंकि एयरबस ने भारत और दक्षिण एशिया में अगले 20 साल में 500 लाइट हेलीकॉप्टरों की मांग का अनुमान लगाया है.ये बेंगलुरु से लगभग दो घंटे दूर वेमगल इंडस्ट्रियल एरिया में बनेगा. जहां पहले से ही टीएएसएल के दूसरे प्लांट यूनिट स्थित हैं. हाल के दिनों में टाटा ने वेमगस औधोगिक क्षेत्र में 7.4 लाख वर्ग फुट का प्लाट अधिग्रहित किया है. जहां पर विमान निर्माण, फाइनल असेंबली और एमआरवो सुविधाएं भी स्थापित की जाएंगी. इसको लेकर एएक्वस के चेयरमैन और सीईओ अरविंद मोलिगेरी ने कहा कि ये पहल देश की स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने के साथ-साथ क्लस्टर के विकास के लिए काम करेगी. कंपनी सप्लाई चेन में निवेश और नए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी. इसके अलावा, टाटा और एयरबस वडोदरा, गुजरात को हाल ही में बड़े निवेश परियोजनाएं मिली हैं. जिसमें सेमीकंडक्टर प्लांट, सी 295 विमान निर्माण शामिल हैं. इस कारण विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर गुजरात को तरजीह देने का भी आरोप लगाया है.

इंडिगो का टुकड़ों में बिकने का सिलसिला जारी

> 11,385 करोड़ की डील

नई दिल्ली.

इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने विमानन कंपनी इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये करीब 11,385 करोड़ रुपये में मंगलवार को बेच दी.

सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, (जिसके न्यासी शोभा गंगवाल तथा डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं) ने भी देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लेन-देन में हिस्सा लिया. उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग कंपनी गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जे पी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए नियोजन एजेंट हैं. इस नवीनतम लेनदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में करीब 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी.टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत 5,175 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 2.2 करोड़ शेयर बेचे गए. सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयर के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है.

बीएसई और एनएसई पर कई चरणों में की जाने वाली शेयर बिक्री पूरी तरह से गौण प्रकृति की है. राकेश गंगवाल के पारिवारिक ट्रस्ट ने विमानन कंपनी में 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,549 करोड़ रुपये में अगस्त 2024 में बेची थी. इससे पहले गंगवाल ने मार्च में इंडिगो के शेयर बेचे थे.

शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कामकाज के मुद्दों पर हुए विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है. गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल फरवरी 2022 से इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं.

राकेश गंगवाल और शोभा गंगवाल ने सितंबर 2022 में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची. फरवरी 2023 में शोभा गंगवाल ने कंपनी में चार प्रतिशत हिस्सेदारी 2,944 करोड़ रुपये में बेची. बाद में अगस्त में शोभा गंगवाल ने करीब 2.9 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,800 करोड़ रुपये से कुछ अधिक में बेची.

महाराष्ट्र पद्मीनी विकली लॉटरी

सोडत दर मंगळवार • तिकिट किंमत रु. 50/- • सोडत क्र. 21 • सोडत दिनांक 27/05/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — PM-02 : 1209

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी — 1209 — प्रिन्स एजन्सी - मुंबई, श्री गुरुदेव दत्त लॉटरी एजन्सी - पुणे

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस						
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1710	2065	2988	3142	6575	6902
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1712	2130	2959	3610	4475	6162
चौथे बक्षिस रु. 500/-	3488	3889	5472	5678	5886	6042
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1515	2907	3154	5315	5816	6764

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

	[illegible]	6098	6606
	[illegible]	6137	6614
1006	[illegible]	6148	6617
1013	[illegible]	6152	6618
1054	[illegible]	6159	6619
1065	[illegible]	6164	6622
1077	[illegible]	6169	6625
1081	[illegible]	6182	6643
1086	[illegible]	6214	6653
1098	[illegible]	6225	6656
1100	[illegible]	6229	6662
1103	[illegible]	6266	6670
1105	[illegible]	6296	6673
1110	[illegible]	6302	6680
1111	[illegible]	6322	6682
1113	[illegible]	6361	6683
1117	[illegible]	6394	6689
1126	[illegible]	6396	6692
1129	[illegible]	6406	6715
1130	[illegible]	6413	6742
1135	[illegible]	6427	6756
1136	[illegible]	6446	6759
1145	[illegible]	6454	6766
1147	[illegible]	6458	6780
1148	[illegible]	6460	6786
1157	[illegible]	6480	6863
1160	[illegible]	6483	6876
1167	[illegible]	6493	6880
1174	[illegible]	6498	6888
1175	[illegible]	6506	6898
1181	[illegible]	6520	6918
1188	[illegible]	6528	6941
1195	[illegible]	6530	6963
1212	[illegible]	6551	6967
1232	[illegible]	6597	6976
1251	[illegible]	6603	6987

महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 20/06/2025 — 50 लाख — 10 लाख — 5 लाख

पद्मीनी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 27/05/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत संध्या. 5:00

सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 21 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 27/05/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — MG-02 : 5235 — पवार लॉटरी - ठाणे

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 2216

तिसरे बक्षिस रु. 1000/- — 2911 — 2937 — 6197 (श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई) — 6887 (डायमंड कॉर्पोरेशन, बोरिवली) — 6945 (श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई)

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

400/-	2219	3013	3915	5104	5804	6662	7773	8693
1120	2228	3034	3930	5165	5836	6690	7893	8740
1171	2432	3113	4064	5352	6099	6765	8008	8768
1390	2516	3183	4224	5359	6258	6841	8073	8806
1492	2523	3255	4229	5519	6339	6940	8122	8867
1676	2670	3359	4349	5547	6505	6994	8181	8880
1915	2724	3373	4400	5725	6530	7079	8249	8897
2137	2896	3486	4646	5742	6570	7175	8253	8967
2210	2923	3849	5065	5785	6611	7357	8373	8982

महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी मान्सून मासिक सोडत — तिकिट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 13-06-2025

जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस — दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)

गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 27/05/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र सह्याद्री

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — • महालक्ष्मी विकली लॉटरी • — सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 21 • तिकिट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 27/05/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — SM-05 : 1067 — पवार लॉटरी - ठाणे

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 5071

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1829 (ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे) — 3079 (श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई) — 5501

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1006	2166	3195	4143	5225
1103	2471	3274	4182	5252
1110	2731	3333	4312	5337
1216	2927	3401	4466	5403
1266	2983	3473	4663	5453
1616	2993	3609	4774	5729
1761	3070	3806	4837	5908
1846	3137	3892	5095	5985

महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकिट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 09-06-2025

जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे) — सातवे बक्षिस रु. 12 लाख

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 27/05/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगल विकली लॉटरी

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 21 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 27/05/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	4083	7405	0983	8339	2214

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 0043 — 1655

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 0205 — 0737 — 2233 — 5063 (लॉटरी भांडार - नागपूर) — 7403

बक्षिस										
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0602	1017	1266	4232	4255	4656	6040	6064	6900	7320
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	1353	1394	1707	1729	6094	6606	6622	6734	7230	7773

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु.	1003	1811	2531	3639	4686	5635	6604	7732	8502	9214
300/-	1021	1842	2632	3696	4726	5650	6643	7739	8582	9392
0000	1071	1855	2642	3713	4808	5686	6658	7741	8591	9449
0041	1106	1913	2693	3736	4821	5693	6674	7778	8660	9463
0084	1113	2047	2712	3853	4870	5745	6691	7868	8719	9496
0182	1115	2132	2823	3878	5019	5758	6811	7887	8780	9514
0271	1153	2157	2886	3934	5085	5849	6885	7974	8785	9531
0386	1167	2214	2928	4007	5094	5854	7074	8015	8844	9536
0440	1171	2230	3053	4020	5153	5981	7075	8065	8871	9591
0520	1174	2259	3060	4039	5159	5985	7152	8077	8889	9604
0593	1175	2260	3093	4117	5239	6003	7195	8142	8943	9620
0596	1186	2262	3131	4148	5285	6025	7349	8145	8959	9733
0604	1391	2263	3223	4394	5317	6168	7373	8160	8982	9744
0670	1514	2287	3252	4404	5362	6246	7575	8184	8998	9790
0694	1550	2329	3314	4407	5489	6267	7659	8219	9007	9839
0764	1555	2360	3340	4433	5508	6291	7675	8284	9047	9842
0800	1690	2363	3361	4471	5568	6483	7676	8338	9077	9878
0808	1734	2367	3538	4496	5578	6538	7697	8377	9079	9917
0934	1803	2476	3597	4529	5605	6583	7720	8429	9191	9998

महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकिट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 09-06-2025

जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे) — सातवे बक्षिस रु. 12 लाख

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगळ विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 27/05/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड लॉटरी, झाशीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लश्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

'अगर पीएम मोदी हिंदुत्ववादी हैं...'

सामना में उद्धव ठाकरे का मोदी पर कटाक्ष

मुंबई. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में घुसकर 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया था. अब उसी को लेकर सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है. शिवसेना-यूबीटी ने अपने अखबार सामना के संपादकीय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा हमला बोला है. सामना ने अपने संपादकीय में बीजेपी और पीएम नरेंद्र मोदी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राजनीति करने का आरोप लगाया है. अखबार का दावा है कि पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा था, "मेरी रगों में अब खून नहीं, बल्कि गरम सिंदूर बहता है. जबकि बीजेपी और पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति न करने की सभी से अपील की थी, तो क्या उन्होंने अपने बयान को भुलाकर सिंदूर की राजनीति शुरू कर दी है. अगर ऐसा है तो यह अमानवीय है." अखबार ने आगे लिखा है, "अगर मोदी हिंदुत्ववादी हैं तो उन्हें सिंदूर का महत्व समझना चाहिए और बोलना चाहिए. सिंदूर मांग पर सजता है. एक बार यह शरीर में प्रवेश कर जाए तो जहरीला हो जाता है. हम मोदी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं. शंकर ने हलाहल पानी लिया. तो क्या अब मोदी सिंदूर का जहर पीने चले हैं." सामना ने लिखा कि इसी तरह पाकिस्तान के खिलाफ जब भारतीय सेना पराक्रम चरम पर था, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय सेना के आतंक के खिलाफ घोषित युद्ध को रोक दिया. ट्रंप ने भारतीय सेना के पराक्रम की सफलता रचने से इस तरह रोक दिया, जिससे भारत अमेरिका का गुलाम देश है. प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप के इस हस्तक्षेप पर मुंह में दही जमाए क्यों बैठे रहे?

बीजेपी ही 'सिंदूर यात्रा' आयोजित कर सकती है

● इस बैठक में निर्णय लिया गया कि अब से 'ऑपरेशन सिंदूर' ही प्रचार का अस्त्र होगा. यानी जिस तरह 2019 की लोकसभा में पुलवामा में शहीद हुए 40 जवानों की शहादत का फायदा उठाया गया ठीक उसी तरह इस दफा सिंदूर खो चुकीं 26 मां-बहनों के मामले में भी होगा इस तरह तो केवल बीजेपी ही 'सिंदूर यात्रा' आयोजित कर सकती है.

आदित्य ठाकरे ने बीजेपी को घेरा

नांदेड़. राज्य के नांदेड़ में अमित शाह के बालासाहेब ठाकरे वाले बयान पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि ऐसे बयान देने के बजाय बीजेपी ये बताए कि कल जो मुंबई की हालत हुई, किसानों को इतना नुकसान हुआ, उन्हें राहत क्यों नहीं पहुंचाई गई. शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने बातचीत में कहा, "ये सभी बयान ठीक हैं, लेकिन मुंबईकरों को जवाब चाहिए कि मुंबई की हालत जो कल हमने देखी बीजेपी ने मुंबई को इस स्थिति में क्यों पहुंचाया. भाजपा के मन में मुंबई के लिए इतनी दुर्भावना क्यों है? भाजपा मुंबई को क्यों खत्म करना चाहती है." उन्होंने आगे कहा, "बारिश के कारण हजारों हेक्टेयर भूमि का नुकसान हुआ है. किसानों को कोई मदद क्यों नहीं दी गई? चाहे वह मुंबई हो, ठाणे हो या पुणे, कई शहरों में स्थिति खराब होती जा रही है. हमारे शहरों को कोई मदद क्यों नहीं मिल रही है. बता दें कि सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के नांदेड़ पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व सीएम वसंतराव नाइक की प्रतिमा का अनावरण किया. वहीं इस कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे को याद किया. जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये साफ कर दिया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते. लेकिन पता नहीं ये उद्धव ठाकरे की पार्टी को क्या हो गया है, अगर आज बाला साहेब होते तो ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री मोदी को गले से लगा लेते."

कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या चुनौती

मुंबई. भारत में कैंसर के बढ़ते मामले स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए एक चुनौती हैं और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कैंसर रोगियों की संख्या 2025 तक लगभग 1.57 मिलियन तक पहुंच जाएगी। 2022 में यह संख्या 14.65 लाख थी। इस दौरान करीब 12.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की चेतावनी दी गई है। विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि ये आंकड़े सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए सामाजिक और आर्थिक चुनौती हैं। आईसीएमआर की इस रिपोर्ट में स्तन, गर्भाशय, फेफड़े, मुंह और मलाशय के कैंसर की उच्च घटनाएं पाई गई हैं। स्तन एवं गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर, विशेषकर महिलाओं में, काफी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों में जांच के संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद लोग इसके प्रति जागरूक नहीं हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता की कमी के कारण कैंसर का निदान अंतिम चरण में होने से मृत्यु दर बढ़ रही है। महाराष्ट्र में हर साल लगभग 1.3 लाख नए मामले दर्ज होते हैं, जिनमें मुंबई, पुणे, नागपुर, औरंगाबाद और नासिक सबसे आगे हैं। अकेले मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में हर साल 70,000 से अधिक कैंसर रोगी पंजीकृत होते हैं। महिलाओं में स्तन और गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की दर तेजी से बढ़ रही है, विशेषकर मुंबई की मलिन बस्तियों में, जिसके कारण उपचार में देरी हो रही है। मौखिक और फेफड़ों का कैंसर पुरुषों में अधिक आम है। इसके पीछे मुख्य कारण तम्बाकू का सेवन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में हर साल 1 लाख से अधिक पुरुष तंबाकू से संबंधित कैंसर से मरते हैं। यद्यपि केंद्र सरकार ने तंबाकू विरोधी कानून और प्रतिबंध लागू किए हैं, लेकिन वास्तव में, उनका प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो रहा है।

नशे में धुत बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

धुले. धुले जिले में 25 वर्षीय एक व्यक्ति ने खाना बनाने के लिए नहीं उठने पर अपनी मां की हत्या कर दी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 24 मई की रात को थालनेर क्षेत्र के वाथोडे गांव में घटी अधिकारी ने बताया कि पीड़िता 65 वर्षीय टीपाबाई पवारा ने अपने बेटे अवलेश के लिए मछली बनाई और अपनी झुग्गी में सोने चली गई। मछली की गंध से आकर्षित होकर एक आवारा कुत्ता घर में घुस आया और भोजन को बर्बाद कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अवलेश देर रात घर आया और उसे खाना खाने लायक नहीं लगा। शराब के नशे में धुत बेटे ने टीपाबाई से कहा कि वह उठकर उसके लिए ताजा खाना बनाए। अधिकारी ने अपनी जांच का हवाला देते हुए बताया कि जब टीपाबाई ने कोई जवाब नहीं दिया तो नशे में धुत्त उसके बेटे ने गुस्से में आकर उसके सिर पर डंडा दे मारा। रविवार की सुबह अवलेश की नींद खुली तो उसने देखा कि उसकी मां बेसुध पड़ी है।

उसने अपने रिश्तेदारों को बुलाया तो वे भागकर उनके घर पहुंचे। उन्होंने देखा कि बुजुर्ग महिला की मौत हो चुकी है और उसके सिर पर गंभीर चोट लगी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने अवलेश को हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने बताया कि बेटे के खिलाफ थलनेर पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

बकरियां पालने के फार्म पर 300 करोड़ के ड्रग्स बनाने का भंडाफोड़

मुंबई. मुंबई की आरसीएफ पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसने फार्म हाउस को ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री में बदल दिया था. इस गैंग ने फार्म हाउस मालिक से बकरियां और मुर्गे पालने के नाम पर फार्म हाउस का 2 कमरा एक लाख रुपये (50 हजार प्रति कमरा) प्रति माह की दर से किराए पर लिया था जहां बाकायदा एमडी ड्रग्स बनाने का पूरा सेटअप किया गया था. मुंबई पुलिस के ईस्ट रीजन के एडिशनल कमिश्नर महेश पाटिल ने बताया कि इसी साल के मार्च महीने में पुलिस ने 45 ग्राम एमडी जब्त कर एक मामला दर्ज कर एक शख्स को गिरफ्तार किया था, मामले की जांच आगे बढ़ी तो पुलिस 4 और ड्रग्स पेडलर्स को मुंबई और नवी मुंबई से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 6 किलो 689 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 13 करोड़ 37 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है. महेश पाटिल ने आगे बताया कि जब जांच आगे बढ़ी तो हमें पता चला कि आरोपी रायगढ़ जिले के कर्जत में एक फार्म हाउस में ड्रग्स की फैक्ट्री चला रहे हैं. इसके बाद डीसीपी नवनाथ ढवले ने सीनियर इंस्पेक्टर महादेव कुम्भार, समशेर तड़वी,एपीआई मैत्रानंद खंदारे और पीएसआई सुशांत सालवी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई और फिर टीम ने कर्जत के किकवी इलाके में स्थित सावली फार्म हाउस में जहां आरोपियों में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री बनाई थी वहां छापेमारी की. एडिशनल कमिश्नर ने आगे बताया कि फैक्ट्री से एक शख्स को गिरफ्तार किया गया और छापेमारी के दौरान वहां से ड्रग्स बनाने के मटेरियल के साथ साथ 5 किलो 525 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया. पुलिस ने आगे बताया कि छापेमारी के दौरान जो रॉ मटेरियल मिला उसकी कीमत करीबन एक करोड़ रुपये है और अगर उससे ड्रग्स बनाया जाए तो कम से कम 150 किलो एमडी ड्रग्स बन सकता है जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीबन 300 करोड़ रुपये होती.

इलेक्ट्रिक बसों का टेंडर रद्द करने के निर्देश

> मंत्री प्रताप सरनाईक का बड़ा फैसला

मुंबई. महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने कहा कि किराये पर ली जाने वाली इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति में संबंधित कंपनी निष्क्रिय साबित हुई है. इसलिए इस कंपनी के साथ एसटी महामंडल (राज्य परिवहन निगम) द्वारा किया गया टेंडर करार रद्द करने की कार्रवाई की जानी चाहिए. सोमवार को महामंडल के मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने ये निर्देश दिए. मंत्री सरनाईक ने कहा कि 22 मई तक संबंधित बस आपूर्तिकर्ता कंपनी को 1000 बसों की आपूर्ति करने के लिए संशोधित समय-सीमा दी गई थी, लेकिन इस अवधि तक एक भी बस उपलब्ध नहीं कराई जा सकी.

इसलिए भविष्य में इस कंपनी से बसों की आपूर्ति को लेकर संदेह है. वर्तमान में महामंडल को बसों की अत्यंत आवश्यकता है और यदि संबंधित संस्था समय पर बसों की आपूर्ति नहीं कर सकती, तो इस कंपनी के साथ किया गया करार रद्द किया जाए. वर्तमान में एसटी महामंडल के पास चालू शिवशाही बसों का चरणबद्ध तरीके से पुनर्निर्माण कर उन्हें 'हिरकणी' (अर्ध-आरामदायक) बसों में बदला जाए. साथ ही इन बसों का रंग पहले की तरह हरा और सफेद ही रखा जाए, ऐसे निर्देश भी मंत्री सरनाईक ने दिए. मंत्री सरनाईक ने कहा कि उन्होंने राज्य के विभिन्न बस स्टेशनों का दौरा किया और वहां स्वच्छता को लेकर भारी लापरवाही देखी. खासतौर पर महिला यात्रियों की ओर से बार-बार शिकायतें आ रही हैं. खामियों की ओर इशारा किए जाने के बावजूद अगर संबंधित अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय करके कार्रवाई नहीं की जाती और उन्हें संरक्षण दिया जाता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इस अवसर पर मंत्री सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी.

कोरोना के मद्देनजर जिला परिषद अलर्ट पर

ठाणे. कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा एक बार फिर बढ़ रहा है और जानकारी सामने आई है कि ठाणे और कल्याण नगर निगम क्षेत्रों में दो मरीजों की मौत हो गई है। इस पृष्ठभूमि में, ठाणे जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग ने एहतियात के तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर नागरिकों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षणों की जांच कर रहे हैं। कोरोना वायरस ने फिर से अपना सिर उठा लिया है और देशभर में कोरोना वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। ठाणे जिले के ठाणे, कल्याण और नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्रों में कोरोना के मरीज पाए गए हैं । इस बीच, ठाणे और कल्याण शहर में कोरोना के कारण दो मरीजों की मौत भी हुई है। इसलिए सभी को डर है कि कहीं कोरोना फिर से हमला न कर दे। ठाणे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए जिला परिषद ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस संबंध में सोमवार को जिला स्वास्थ्य अधिकारी और तालुका स्तर के स्वास्थ्य अधिकारी तथा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों के बीच ऑडियो-विजुअल प्रणाली के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी अधिकारियों को कोरोना के मद्देनजर उचित एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर इलाज के लिए आने वाले मरीजों के बारे में जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। इसके अलावा, इलाज के लिए आने वाले ऐसे मरीज जिन्हें बार-बार सर्दी, खांसी या बुखार हो, उनकी तुरंत कोविड-19 जांच कराई जानी चाहिए। यदि कोई मरीज कोविड-19 से संक्रमित पाया जाता है, तो उसके लक्षणों के आधार पर यह निर्णय लिया जाना चाहिए कि उसे होम आइसोलेशन में रखा जाए या अस्पताल में। इसके साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मरीज का नाम, पता, आयु, किसी सह-रुग्णता की जानकारी, कोरोना टीकाकरण रिपोर्ट जैसी सभी जानकारी गूगल शीट पर तैयार करें।

पांडवकाड़ा में फंसे पांच युवकों को सुरक्षित बचाया गया

पनवेल. मुंबई के शिव (सायन) से खारघर पर्वत शृंखला में वर्षाहाली के लिए पैदल यात्रा करने आए पांच युवक सोमवार की दोपहर झरने में अचानक जलस्तर बढ़ जाने के कारण झरने में फंस गए। खारघर अग्निशमन विभाग के कर्मियों और खारघर पुलिस की एक टीम ने रस्सियों की मदद से सूखे झरने को पार करके युवक को बचाया। खारघर उपनगर में गोल्फ कोर्स के पीछे ड्राइविंग रेंज से पांडवकाड तक जाने वाला एक पैदल रास्ता है। हर साल नवी मुंबई पुलिस मानसून के मौसम में पांडवकाड़ा झरने पर जाने पर प्रतिबंध लगाती है। हालाँकि, ये आदेश नागरिकों को जून की शुरुआत में घोषित किये जाते हैं। हालाँकि, चूंकि यह मई का महीना था, इसलिए पुलिस ने इस वर्ष कोई निषेधाज्ञा जारी नहीं की थी। इसका फायदा उठाकर सोमवार को ये पांचों युवक पांडवकाड़ा में त्योहार मनाने के लिए पहाड़ों पर चले गए। इन युवकों को भारी बारिश के कारण खारघर पहाड़ों से निकलने वाले झरने के जलस्तर में अचानक वृद्धि का अनुमान नहीं था। युवक वहीं फंसे रहे क्योंकि वे पानी की धारा पार करने में असमर्थ थे।

खारघर फायर स्टेशन से संपर्क करने के बाद वहां के कर्मचारी पहाड़ पर स्थित झरने पर चढ़े और रस्सी के सहारे पांचों युवकों को सुरक्षित पहाड़ से नीचे ले आए। इन बच्चों को सूखी पर्वत श्रृंखला से बाहर लाने के बाद, खारघर पुलिस स्टेशन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपक सुर्वे ने उनकी काउंसलिंग की। ये बच्चे 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ते हैं। इन बच्चों के अभिभावकों को पुलिस थाने बुलाया गया। खारघर पुलिस ने कहा कि वे रात में बच्चों को उनके माता-पिता को सौंप देंगे।

शादी में दिखावा नहीं संस्कार चाहिए

मराठा समाज ने शुरू की नई पहल

मुंबई. राज्य में वैष्णवी हगवणे के सुसाइड मामले के बाद पूरे मराठा समुदाय ने एक बेहतरीन सामाजिक पहल की शुरुआत की है. उन्होंने शादी-विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है, जिससे किसी दूसरी वैष्णवी को दहेज के कारण सुसाइड न करना पड़े. इसे लेकर मराठा समुदाय के प्रमुख नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक बैठक हुई, जिसमें उन्होंने शादी को सिंपल तरीके से करने और दहेज जैसी कुप्रथा को खत्म करने का संकल्प लिया.

दरअसल, यह पहल एक दुखद घटना के बाद की गई, जिसमें एनसीपी के निष्कासित नेता राजेंद्र हगवणे की बहू वैष्णवी ने दहेज उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी. इस बैठक में कई अहम प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें शादी में फिजूलखर्ची रोकना, सास-ससुर को बहू के सम्मान के लिए जागरूक करना और माता-पिता को अपनी बेटियों के उत्पीड़न के खिलाफ समर्थन देने के लिए प्रेरित करना शामिल है. बैठक में यह तय किया गया कि मराठा समुदाय अब बहुत ताम-झाम वाली शादियों का पार्ट नहीं बनेगा. श्रीकांत शिरोले ने कहा, 'वैष्णवी की दुखद घटना ने पूरे समुदाय को झकझोर दिया है. हम अब एक ऐसा मंच बनाएंगे, जो सिंपल शादियों को बढ़ावा देगा और फिजूलखर्ची को रोकेगा.'

वैष्णवी मामले में जांच पर होगी सबकी नजर

❐ मराठा कोटा कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने वैष्णवी के परिवार से मुलाकात की और पुलिस से इस मामले की जांच को गंभीरता से लेने की मांग की. उन्होंने कहा, 'वैष्णवी की आत्महत्या के मामले की जांच से यह साबित होगा कि होम डिपार्टमेंट कितना प्रभावी है. अगर दोषियों को सजा नहीं मिली, तो यह पूरे राज्य में आक्रोश पैदा करेगा.' जारांगे ने दहेज प्रथा को सामाजिक बुराई बताते हुए इसे पूरी तरह खत्म करने की अपील की.

आज का राशिफल

मेष - आज का दिन मिलाजुला परिणाम देने वाला है। भविष्य से जुड़े फैसले सावधानी से लें। व्यापारिक स्थिति में उतार-चढ़ाव संभव है।

वृषभ - आज का दिन नए अवसरों से भरपूर होगा। जरुरतों की वस्तुएं उपलब्ध होंगी। पारिवारिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा।

मिथुन - पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। बिजनेसमेन को सोच-समझकर इनवेस्ट करना चाहिए।

कर्क - आज का दिन खास रहने वाला है। महत्वपूर्ण कार्यों को टाइम पर पूरा करने की कोशिश करें। लॉन्ग टर्म प्लान पर फोकस करें।

सिंह - आज का दिन शुभ रहेगा। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। कार्यों के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें।

कन्या - कड़ी मेहनत और लगन के साथ सभी कार्यों को पूरा करें। प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को खूब मेहनत करना चाहिए।

तुला - घर के किसी सदस्य के विवाह में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। धन का लेन-देन करते समय सावधानी बरतें। जीवनसाथी संग बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालें।

वृश्चिक - सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपको पारिवारिक जीवन में कुछ मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। धन का प्रबंधन होशियारी से करें।

धनु - आज आपको कार्यों के मनचाहे परिणाम मिलेंगे,लेकिन बिजनेस पार्टनर से धोखा मिल सकता है। आर्थिक मामलों में किसी अनुभवी की सलाह लें। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर - लंबे समय से रुके हुए कार्य सफल होंगे। कार्यस्थल पर कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लें। आर्थिक मामलों में लापरवाही बरतें।

कुंभ - आज का दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। घर में मेहमानों के आगमन से सकारात्मक माहौल रहेगा।

मीन - आज का दिन सामान्य रहेगा। घर में मेहमानों का आगमन संभव है। सिंगल जातकों के लिए लाइफ में किसी खास व्यक्ति की एंट्री होगी।

'गीले सूखे' से नमक उत्पादन प्रभावित

भायंदर. पिछले कुछ दिनों से जारी प्री-मानसून बारिश से मीरा भायंदर में नमक की खेती को भारी नुकसान हुआ है। इसके कारण मुख्य मौसम के दौरान नमक के उत्पादन में भारी कमी आई है। नमक उत्पादकों का कहना है कि इस वर्ष नमक उत्पादन में लगभग 66 प्रतिशत की कमी आई है। मीरा-भायंदर एक खाड़ी और समुद्र के किनारे बसा शहर है, इसलिए यहाँ की भूमि खारी है।

इस शहर में पिछले कई दशकों से नमक की खेती हो रही है। इसके अलावा, यहां उत्पादित नमक की बाजार में काफी मांग है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से तीन प्रकार के नमक का उत्पादन होता है - कूपा, वजनी और करकज। इस खाद्य बाजार में कुपा नमक का उपयोग किया जाता है. भारयुक्त नमक का उपयोग बर्फ बनाने वाली फैक्ट्रियों में किया जाता है, जबकि सेंधा नमक का उपयोग कपड़ा और रासायनिक फैक्ट्रियों में किया जाता है। इससे नमक उत्पादकों को काफी आर्थिक लाभ हुआ है।

जाहीर सूचना

आम जनतेस सूचित करण्यात येते की आम्ही हिरुडकर आणि तांदूळकर खालील वर्णनित मालमत्ता विकत घेण्यास इच्छुक आहे. मालमत्तेचे वर्णन प्लॉट नंबर १३ B मौजा नरसाळा पटवारी हलका नंबर 37 ग्रामपंचायत नरसाळा ग्रामीण जिल्हा नागपूर, नीलकमल को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी जिल्हा नागपूर रजिस्ट्रेशन नंबर एनजीपी /एच एस जी/टी ओ ७२५/८५ यांनी टाकलेले लेआउट मधील प्लॉट नंबर 13B चतुर सीमा पूर्वेस प्लॉट नंबर 36 पश्चिमेस रोड उत्तरेस प्लॉट नंबर 14 दक्षिणेस रोड नीलकमल सोसायटीने नोंदविले आहे नीलकमल सोसायटी तर्फे सभासद श्री शंकर भैय्याजी बेलखोडे यांनी इसवी सन 1982 स. **श्री गणपत लांडे यांना विक्रीपत्र करून दिले त्यानंतर ही मालमत्ता इसवी सन 1999 स.** लांडे यांनी श्री नितीन मोहिते यांना विक्रीपत्र करून दिले त्यानंतर ही मालमत्ता इसवी सन 2008 रोजी मोहिते यांच्याकडून श्री पांडुरंग जी जगताप यांनी हे मालमत्ता विकत घेऊन स्वतः नामे special power of attorney करून घेतला नंतर श्री पांडुरंग जी जगताप यांनी पत्नी सौ संध्या जगताप यांच्या नावे इसवी सन 2014 रोजी विक्रीपत्र करून दिले सदर मालमत्ता ही सौ संध्या जगताप यांच्या मालकीची असून ही मालमत्ता क्लियर मार्केटेबल असून यावर त्याच्या व्यतिरिक्त कोणीही व्यक्ती बँक किंवा वित्तीय संस्थेने वरील मालमत्तेवर कुठलाही प्रकारचे हक्क अधिकार नाही तरी जर कोणीही व्यक्ती बँक किंवा वित्तीय संस्थेतील मालमत्तेवर कुठल्याही प्रकारची हक्क अधिकार दान बक्षीस गहाण करार वगैरे असल्यास किंवा या व्यवहारावर कुठलेही आक्षेप असल्यास त्यांनी आपले उजर हक्क अधिकार वगैरे संबंधित कागदपत्रे पुराव्यासह ही सूचना प्रकाशनाचे १० दिवसाच्या आत लेखी स्वरूपात दाखल करावा अन्यथा यांनी आपले हक्क अधिकार आक्षेप वगैरे सोडून दिलेले आहे असे गृहीत धरून आम्ही वरील मालमत्तेचे विक्रीपत्र नोंदणी करून घेईल व त्यानंतर कुणाच्याही आक्षेप ऐकून घेतले जाणार नाही याची नोंद घ्यावी.

हर्षल विनायक हीरुळकर
दिनांक २८/०५/२०२५, पत्ता ५९ महाकाली नगर, अमर नगर रोड, मानेवाडा नागपूर.
Mo N. 9970503131, 9923692396.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

NP DR. NANDI PATH LAB — Committed to your Wellness — OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE — DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho) Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE — Mobile No.: 8767516249 | 7420869774 — Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर — अलग-अलग प्रकार के फेशियल थ्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर मॅनीक्यूर-पेडिक्यूअर • स्कीन ट्रिटमेंट हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग पींपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स यहाँ ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं। — अल्का वि. लाडे — 9373108897 / 9373531205 — प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स — कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी — हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है। — ठोक व चिल्लर विक्रेता — JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है — M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY — Learn Music with Proper Exam Facility — Classes Conducted for • Vocal Classical Singing • Light Music (with Karaoke) • Zumba • Yoga • Crochet • Macrame • Drawing • Paper Crafts — <: Contact :> Mob - 9975757706, 9561674780 — Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

• 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन • 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्रा • 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान — संपर्क — आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे — 7498753939, 93095 96390, 8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN ... PUBLIC SCHOOL — NURSERY to Std. IX — OUR FACILITY — Computer Lab • Cricket — Karate Class • Swimming Pool — Skating Class • Basket Ball — M. 8087955831 8956785080 — Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM — GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX — VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor — AU Avani Udyog (MSEDCL Approved Vendor) — Office Address — Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001 — E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com — Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631 — Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग — E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY Talkative, Funny & Tricky — Morning / Evening BATCHES — अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से — हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है। — STUDENTS • TEACHERS • HOUSEWIVES • JOB SEEKERS — NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM — 9960462058,7498325477 — नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी — डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS — हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है — अफसर खान — M. 9371381114, 7038696893 — सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर — विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅंड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड — उमेश्वर शामकुंवर — M.9326760744 — तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस — एस. सुधीर मो. 9372855880 — डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड — शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प — बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब — रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग — प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस — आनंद ठेकेदार : 7219847962 — बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर — हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे। — "सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

सुविचार

वक़्त सबको मिलता है ज़िन्दगी बदलने के लिए पर जिन्दगी दोबारा नहीं मिलती वक़्त बदलने के लिए।

संपादकीय

लालू की चुनौती

लालू प्रसाद यादव का अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित करना डैमेज कंट्रोल की एक कोशिश है। हालांकि इस पूरे प्रकरण से बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी के लिए एक नई मुसीबत तो खड़ी ही हो गई है. भले यह मामला तेज प्रताप के निजी जीवन से जुड़ा हो, लेकिन उन पर जिस तरह का एक्शन हुआ, उससे जाहिर है कि इसकी परछाई लालू परिवार और उसकी सियासत पर पड़ने का भी डर है।तेज प्रताप ने 2015 में पहला चुनाव लड़ा था और नीतीश सरकार में स्वास्थ्य व पर्यावरण मंत्री बने थे। तब से अभी तक वह कई बार असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं और हर बार परिवार-पार्टी को उनके बचाव में उतरना पड़ा। लेकिन, उनकी कुछ हरकतों ने आरजेडी के परंपरागत समर्थक वर्ग को भी नाराज किया था। बिहार के पूर्व सीएम दरोगा राय की पौत्री के साथ उनकी असफल शादी और अब तलाक का केस पूरे परिवार की किरकिरी करा चुका है।

आरजेडी में अपनी भूमिका और कद को लेकर तेज प्रताप कभी संतुष्ट नहीं दिखाई दिए। लालू के उत्तराधिकार के लिए दोनों भाइयों के बीच होड़ की खबरें आती रहीं और यह लड़ाई 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उस समय सतह पर आ गई, जब तेज प्रताप ने एक अलग मोर्चा ही बना दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव में यह स्पष्ट हो गया कि लालू ने अपना उत्तराधिकारी तेजस्वी को चुन लिया है। इस बार आरजेडी का पूरा जोर है कि चुनावी मैदान में उतरने से पहले महागठबंधन की तरफ से सीएम पद का चेहरा तेजस्वी को घोषित कर दिया जाए। हालांकि इसके लिए सभी सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाना थोड़ा मुश्किल हो रहा है।

पिछले विधानसभा चुनाव में 75 सीटों के साथ आरजेडी राज्य में सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था। पार्टी अपना वही दबदबा गठबंधन के भीतर भी कायम रखना चाहती है, जबकि कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि उसे पिछलग्गू नहीं, बराबरी का दर्जा चाहिए। पिछले दिनों अपनी राज्य इकाई में बदलाव कर उसने यह मेसेज दे दिया था।आरजेडी के सामने सीट बंटवारे की चुनौती है।

उस पर कांग्रेस ही नहीं, वामदल और मुकेश सहनी की वीआईपी जैसे घटक दलों का भी दबाव है। महागठबंधन की तुलना में एनडीए में फिलहाल ज्यादा सामंजस्य नजर आ रहा है।बीजेपी ने साफ कर दिया है कि चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा जाएगा। ऐसा नहीं है कि यहां सीट बंटवारे का फॉर्म्युला फिक्स हो चुका है, लेकिन अगर कोई परेशानी है भी तो वह सतह पर नजर नहीं आई है।

वक्फ के अंतर्गत प्रावधान: सामान्य प्रावधान

मुस्लिम संगठनों का दावा, धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप

विपरीत तर्क: यद्यपि वक्फ एक धार्मिक मामला है, तथापि वक्फ संपत्ति के प्रशासन को धार्मिक मामला नहीं माना जा सकता। (तिलकायत श्री गोविंदलालजी महाराज बनाम राजस्थान राज्य, 1964 - सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि मंदिर की संपत्तियों के प्रबंधन का अधिकार विशुद्ध रूप से धर्मनिरपेक्ष मामला है और इसे धार्मिक व्यवहार नहीं माना जा सकता). वक्फ अधिनियम में नवीनतम संशोधन (2025) वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को विनियमित करने के लिए है, और यह मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं करता है।

वक्फ संस्थानों के कामकाज को सुव्यवस्थित करने से वक्फ संपत्तियां अधिक उत्पादक बनेंगी, जिसका अंततः गरीब और वंचित मुसलमानों को लाभ होगा. वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है जिसे पहली बार वक्फ अधिनियम 1954 द्वारा बनाया गया था और बोर्ड को कुरान, हदीस और पवित्र धार्मिक ग्रंथों से जोड़ने का प्रयास गलत है।

(सैयद फजल पूकोया थंगल बनाम भारत संघ और अन्य, केरल उच्च न्यायालय, 1993- वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है, शुद्ध और सरल। यह एक वैधानिक निकाय नहीं है।मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधि निकाय) यह एक संपत्ति प्रबंधन संगठन है जो इस्लाम के मूल उद्देश्य पर आधारित है, जरूरतमंदों की भलाई के लिए संपत्ति दान करना। इस प्रकार, यह कानून सुनिश्चित करता है कि इस्लाम में परिकल्पित शुद्धतम उद्देश्य प्राप्त हों।

वक्फ के अंतर्गत प्रावधान:- धारा 9 (2) में प्रावधान किया गया है कि केंद्रीय वक्फ परिषद/ सीडब्ल्यूसी में नियुक्त दो सदस्य गैर-मुस्लिम होंगे इसके अलावा धारा 14(1) राज्य वक्फ बोर्डों में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने का आदेश देती है. मुस्लिम संगठनों का दावा:- गैर-मुस्लिमों को शामिल करने से वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद का मुस्लिम चरित्र कमजोर हो गया. विपरीत तर्क:- गैर-मुस्लिम सदस्यों को केवल वक्फ संपत्तियों के प्रशासन में सुधार लाने के उद्देश्य से शामिल किया गया है। उनका अनुभव और व्यावसायिकता वक्फ संस्थाओं को कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में मदद करेगी. नवीनतम संशोधन (2025) में यह परिकल्पना की गई है कि एसडब्लूबी में अधिकतम तीन सदस्य (ग्यारह में से) और सीवीवीसी में चार सदस्य (बाईस में से) गैर-मुस्लिम होंगे, जिनमें पदेन सदस्य भी शामिल होंगे। मुस्लिम सुधारों से संबंधित सभी समितियाँ जैसे सच्चर समिति, रंगनाथ मिश्रा आयोग आदि का नेतृत्व गैर-मुस्लिमों द्वारा किया गया था, जिन्होंने भारत में मुस्लिम आबादी की स्थिति में सुधार के लिए सिफारिशें की थीं और इस तरह एसडब्लूबी और सीडब्लूसी में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप/ उल्लंघन के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। वक्फ संपत्तियों के विनियमन और धार्मिक अवधारणा के रूप में वक्फ को स्पष्ट रूप से अलग किया जाना चाहिए और उन्हें आपस में मिलाने के किसी भी प्रयास को रोका जाना चाहिए अनुचित हैं. इस्लाम के अनुसार, एक गैर-मुस्लिम भी वक्फ संपत्तियों का मुतवल्ली हो सकता है (इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय 1965 हाफिज मोहम्मद जफर अहमद बनाम यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड में कहा था - मुतवल्ली अधिकार विशुद्ध रूप से संपत्ति के प्रबंधन का अधिकार है और मालिकाना अधिकार नहीं है।

मुतवल्ली के कर्तव्य विशुद्ध रूप से धर्मनिरपेक्ष प्रकृति के हैं, उनके कर्तव्य धार्मिक प्रकृति के नहीं हैं). इसी तरह, बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के तहत, चैरिटी कमिश्नर सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट और संस्थानों के विनियमन, पर्यवेक्षण और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिनियम में चैरिटी कमिश्नर के लिए किसी विशेष धर्म को निर्दिष्ट नहीं किया गया है। वक्फ के अंतर्गत प्रावधान:- धारा 3 (आर) (1) जिसे पहले 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' के रूप में जाना जाता था, को हटा दिया गया है और वक्फ को अनिवार्य बना दिया. मुस्लिम संगठनों का दावा:- सरकार द्वारा वक्फ भूमि पर अवैध नियंत्रण। ऐसे आरोप हैं कि अल्लाह के नाम पर दान की गई मस्जिदें, मदरसे और कब्रिस्तान सरकार द्वारा हड़पे जाएँगे। विपरीत तर्क:- वक्फ संशोधन अधिनियम (वक्फ) के तहत, उन संपत्तियों को संरक्षण प्रदान किया गया है जो अधिनियम के लागू होने से पहले या उसके बाद वक्फ बोर्ड के पास पंजीकृत थीं। यह अधिनियम भावी है न कि भूतलक्षी। पहले से पंजीकृत मस्जिदों, मदरसों और कब्रिस्तानों आदि में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। इस प्रकार, 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' संपत्तियां, जो लंबे समय से उपयोग में हैं और पंजीकृत हैं, उन्हें अधिनियम के कार्यान्वयन के बाद कोई कठिनाई नहीं होगी।

इसके अलावा, कुरान (सूर-ए-बक़रा) में उल्लेख किया गया है कि यदि कोई कोई प्रतिबद्धता करता है, तो उसे इस्लाम में लिखित रूप में होना चाहिए, उदाहरण के लिए, निकाहनामा भी एक लिखित दस्तावेज है। वक्फ के अंतर्गत प्रावधान:- डब्लूएए की धारा 3 (आर) में अब यह प्रावधान है कि वक्फ में संपत्ति घोषित करने से पहले, किसी व्यक्ति को यह प्रदर्शित करना होगा कि वह कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है और ऐसी संपत्ति के समर्पण में कोई साजिश शामिल नहीं है। मुस्लिम संगठनों का दावा:- यह दावा किया जाता है कि इस्लामी कानून में ऐसी आवश्यकता निराधार है और यह धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला है। विपरीत तर्क: 2013 में ही 'इस्लाम को मानने वाले व्यक्ति' की जगह 'कोई भी व्यक्ति' शब्द जोड़ा गया था। इस प्रकार, मौजूदा बदलाव केवल पहले की स्थिति को वापस लाता है और यह इस्लाम के सिद्धांतों के अनुरूप है यानी केवल मुसलमान, जो किसी संपत्ति के कानूनी मालिक हैं, ही उस संपत्ति को वक्फ के रूप में दान करने के लिए सक्षम हैं।

वक्फ के अंतर्गत प्रावधान:- धारा 61(1ए) में कलेक्टर या बोर्ड के निर्देशों का पालन न करने सहित कुछ परिस्थितियों में मुतवल्ली के लिए दंड (जुर्माना/कारावास) का प्रावधान किया गया है। मुस्लिम संगठनों का दावा:- मुतवल्ली के लिए सजा एक कठोर प्रावधान है। विपरीत तर्क:- जमींदारी उन्मूलन अभियान के दौरान, कई मुस्लिम जमींदारों ने अपनी जमीनें वक्फ बोर्ड को 'वक्फ अल-औलाद' के प्रावधान के तहत दान कर दीं और खुद को और अपने परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए उस जमीन के मुतवल्ली बन गए। यह वक्फ के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। पहले के कानून में भी जुर्माना और कारावास दोनों का प्रावधान था और वर्तमान संशोधनों में केवल जुर्माने की मात्रा बढ़ाई गई है, लेकिन कारावास की अवधि अपरिवर्तित है।

वर्तमान में पुराने वक्फ अधिनियम के तहत, अधिकांश मुतवल्ली न तो बैलेंस शीट जमा करते हैं और न ही संपत्तियों के खातों का ऑडिट करते हैं। यह प्रावधान वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर देगा।

वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में गहरी जड़ें जमाए भ्रष्टाचार इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि, 8.72 लाख वक्फ संपत्तियां (38 लाख एकड़) हैं, लेकिन पिछले साल केवल 166 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ। यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वक्फ संपत्तियों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया जाता और भ्रष्ट गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाता, तो लगभग 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हो सकता था।

आलेख

विश्व भूख दिवस विशेष

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

भूख एक वैश्विक त्रासदी और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

दुनिया में करोड़ों लोग हर दिन भूख से जूझ रहे हैं। चाहे बढ़ती उम्र हो, शारीरिक कमजोरी, गंभीर बीमारी, दिव्यांगता या सामाजिक उपेक्षा जब तक जीवन है, तब तक दो वक्त की रोटी की ज़रूरत बनी रहती है। कई लोगों की ज़िंदगी सिर्फ पेट भरने की जद्दोजहद में ही गुजर जाती है। आज भी विश्व का एक बड़ा हिस्सा पर्याप्त और पोषणयुक्त भोजन पाने में असमर्थ है।

यह दुखद है कि इतनी प्रगति के बावजूद लाखों मासूम बच्चे भूख से जान गंवा रहे हैं। भूख, इंसान की बुनियादी ज़रूरत है। इसका कोई धर्म, जाति, रंग, पद या पैसा नहीं होता। लेकिन जिनके पास भरपूर भोजन है, वे अक्सर इसकी अहमियत नहीं समझते और अन्न की बर्बादी करते हैं। भारत जैसे देश, जहां खाद्य उत्पादन पर्याप्त है, वहीं हर साल 78 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद होता है। यूएनईपी की 2024 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति 55 किलोग्राम खाद्य अपशिष्ट होता है, जबकि दूसरी ओर करोड़ों लोग भूखे सोने को मजबूर हैं। 28 मई को 'विश्व भूख दिवस' मनाया जाता है, और 2025 की थीम है. 'हर कोई खाने का हकदार है'। यह थीम स्पष्ट करती है कि पौष्टिक भोजन सिर्फ अमीरों का नहीं, सभी का अधिकार है। फिर भी 2023 में लगभग 750 मिलियन लोगों ने भूख का सामना किया। सेव द चिल्ड्रेन के अनुसार, 2024 में हर मिनट 35 बच्चे भूख की स्थिति में जन्म ले रहे हैं।

भारत की स्थिति भी चिंताजनक है। 2024 के वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है, जो भूख की 'गंभीर' स्थिति को दर्शाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, 5 वर्ष से कम आयु के 35.5% बच्चे अविकसित हैं। दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका की स्थिति भारत से बेहतर है। वहीं, गरीबी की बात करें तो वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है। विश्व बैंक के अनुसार, खाद्य कीमतों में मात्र 1% की वृद्धि से 1 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में चले जाते हैं। अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अधिकांश गरीब ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि भारत के 1% अमीरों के पास 60% से अधिक संपत्ति है, जबकि निचले 50% की संपत्ति लगातार घट रही है। भारत में अरबपतियों की संख्या 2020 में 102 से बढ़कर 2022 में 166 हो गई, लेकिन भूख से पीड़ित लोगों की संख्या 190 मिलियन से बढ़कर 350 मिलियन हो गई है। भूख केवल पेट की नहीं, बल्कि भविष्य की भी लड़ाई है। जन्म से पहले ही पोषण की कमी बच्चों के जीवन पर गहरा असर डालती है। ये बच्चे शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों से वंचित रह जाते हैं। एक ओर लोग शादी समारोहों में थालियां भरकर खाना फेंकते हैं, वहीं दूसरी ओर गरीब कचरे से भोजन खोजते हैं। यह विडंबना दर्शाती है कि समस्या संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की है। संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक भूख मिटाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन मौजूदा गति से यह लक्ष्य 2160 तक ही पूरा हो सकेगा। जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आर्थिक असमानता और लचर नीतियाँ इस प्रयास को धीमा कर रही हैं। भोजन और पोषण पर हर व्यक्ति का अधिकार है। यदि समाज के संपन्न वर्ग थोड़ी सी संवेदनशीलता दिखाएं और भोजन की बर्बादी रोकें, तो कोई भी भूखा नहीं रहेगा। हर हाथ को काम मिले और हर पेट को रोटी यही आदर्श भारत की ओर एक सशक्त कदम हो सकता है।भूख की तकलीफ को समझना और उसका समाधान खोजना केवल सरकार का नहीं, हम सबका कर्तव्य है। तभी हर सांस को अन्न की आस पूरी होगी।

उपन्यास

कुम्हार

एक थी मैना

थोड़ी देर आराम करने के बाद पटवारी ने धीरे-धीरे आँखें खोलीं और उठ बैठा। उसकी ख़ैरियत जानने के लिए भोला, श्यामल का बाबू, बच्चू और काकी उसकी तरफ़ दौड़े। पटवारी ने हाथ के इशारे से कहा कि वह आराम से है, घबराने की कोई ज़रूरत नहीं, फिर धीरे से सबसे कहा- देखो, ये बाबू बहुत ही नालायक है। इसकी बातों में आप लोग न आना। इससे तो मैं निबट लूंगा। मुझे तो बाबू ने पीटा है- मैं यह कहता हूँ और आप लोगों ने उसे ऐसा करते देखा। लड़कों ने मेरे साथ कोई बदसलूकी नहीं की- आप चिंता न करें- कहता वह खाट पर लेट गया।

थोड़ी देर सिर थामकर उठने के बाद वह आगे बोला- देखो, आप लोगों से एक विनती करना चाहता हूँ। विनती इसलिए कि हम आप लोगों से वर्षों से जुड़े हैं- दुख-दर्द में साथ-साथ चलते रहे हैं। दु:ख ही एक ऐसा मोड़ होता है जहाँ पर ठहर कर लोगों की पहचान होती है कि कौन अपने हैं और कौन पराए। मैं एक ऐसे ही मुकाम पर हूँ जहाँ से मैं आप लोगों को छोड़ना नहीं चाहता। आप के साथ रहना चाहता हूँ, क्योंकि मैं भी आप लोगों की जमात से उठकर थोड़ा आगे बढ़ा हूँ लेकिन हालत आप लोगों जैसी है।

एक क्षण के लिए वह रुका, फिर बोला- भोला से मैं पहले भी कह चुका हूँ कि ऊपर के अफ़सरानों की नीयत ठीक नहीं, बहुत हरामी हैं वे, उनसे निपटना आसान भी नहीं। अगर आप मुझ पर थोड़ा भी भरोसा करें तो मैं आप लोगों को रास्ता सुझाता जाऊँगा। मैं पूरे मन से आपके साथ रहूँगा। अफ़सरान आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएँगे क्योंकि मामले की कुंजी हमारे हाथ में है।

भोला ने लोगों की तरफ़ देखा जैसा पूछ रहा हो कि क्या किया जाए। जब भीड़ ने कहा कि पटवारी जैसा कह रहे हैं उसमें सार है, हमें उनकी बात पर भरोसा हो रहा है, तो भोला ने सिर हिला दिया, पटवारी से कहा- मालिक, हम ग़रीब-गुर्बा लोग, आप जानते ही हैं, किसी तरह बाल बच्चे पाल रहे हैं। अब आप हमारी नाव खेने वाले हो। जिसमें न्याय की आशा हो, वही करो- हम सब आपके पीछे हैं।पटवारी अंदर ही अंदर आह्लादित हुआ, बोला- ठीक है, अभी मैं घर जाता हूँ, आप लोग और सोच-विचार लो, जैसा कहोगे, करूँगा।

मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए। भगवान साक्षी है, मैं कुछ गड़बड़ नहीं होने दूँगा- आपके साथ मैं भी सीधी लड़ाई में रहूँगा, मुझ पर सरकार का चाहे जो इल्जाम लगे, मैं उसे झेलूँगा - लेकिन साथ आपका दूँगा।

मेरे पास भगवान का दिया काफ़ी है, किसी की चूपड़ी छीनने से मेरा पेट नहीं भरेगा बल्कि अनिष्ट हो जाएगा - इसलिए फिर कहता हूँ कि आप मेरे कहे पर बार-बार सोच लें, मैं शाम को आऊँगा भोला बोला - मालिक, साथ में बच्चे भी हैं, खाना-पानी भी होना है, देर हो जाएगी इसलिए आप शाम का विचार बदल दें, अभी थोड़ा रुक लें और हम लोग कह ही चुके हैं, आप जैसा रास्ता सुझाएँगे, हम उस पर चलेंगे।

समीक्षा

दिवास्वप्न

गिजुभाई ने बच्चों के विचारों व उनके मानसिक स्थितियों का बारीक व सूक्ष्म अवलोकन किया. उन्होने जब अपने शैक्षिक अनुभवों को पुस्तक रूप में मूर्तता प्रदान किया तो उन्हे भी एक बार ऐसा लगा कि क्या पता लोग सोचेंगे कि मैं ये क्या लिख रहा हूँ? लोग मुझे पागल ही समझेंगे किन्तु देखा जाये तो हमें यही ज्ञात होता है कि वह अपने जमाने से बहुत आगे बढ़कर सोच रहे थे. दिवास्वप्न को पढ़करके हर उस पाठक और शिक्षक को एक प्रकाशित मार्ग का बना बनाया नक्शा प्राप्त होता है जिसपे चलकर हर शिक्षक को एक आलोकित व उज्ज्वल भविष्य (बच्चे) रूपी मंजिल की प्राप्ति होती है. जो उसके वर्ष भर के अथक प्रयासों व प्रयोगो का ही परिणाम होता है. गिजूभाई ने सबसे पहले मौजूदा शैक्षणिक व्यवस्थाओं का काफी गहनता से अवलोकन व अध्ययन किया, उसके बाद उसमे व्याप्त कमियों को पहचाना तथा उसे सुधारने का यथासंभव प्रयास भी किया. गिजूभाई ने देखा कि वर्त्तमान शिक्षा-व्यवस्था अनेक झंझावतों से जूझ रहा है. इन कमियों को मध्येनजर रखते हुए गिजूभाई ने अनेक सुझाव हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है. 'दिवास्वप्न' जैसा कि पुस्तक के नाम से ही पता चल रहा है कि दिन में देखा हुआ स्वप्न, जो कोई सुगम कार्य नही है अर्थात इस पुस्तक में लेखक ने अपने स्वयं के अनुभवों व प्रयोगों को बताया है जो पूरी तरह वास्तविक व जीवंत अनुभव हैं.

लेखक ने स्वयं एक विद्यालय में शिक्षण कार्य करने का निर्णय लेते हुये जैसे ही प्रथम बार कक्षा के भीतर प्रवेश किया तो उसे एक अलग प्रकार के अनुभव से अवगत होना पड़ा, जिसमें सभी बच्चों ने भिन्न भिन्न प्रकार के हाव भाव से अध्यापक (लक्ष्मीशंकर) का स्वागत किया और कुछ इसी तरह का मिलता जुलता अनुभव हर उस शिक्षक के साथ होता है जो प्रथम बार किसी प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश करता है. और कुछ इसी तरह की अनुभूति मुझे भी हुयी थी जब मैं पहली बार प्राथमिक विद्यालय में गया था. इन सभी अनुभवों को जब मैं पुस्तक के साथ जोड़कर देख पाया , तब जाके मुझे पता चला की नही. इस तरह की समस्याएँ जो कक्षा प्रबंधन से जुड़ी है वह केवल मेरे साथ नही बल्कि हर उस नये व्यक्ति के साथ होती है जो पहली बार प्राथमिक विद्यालयों से जुड़ता है. और यही कारण है कि लेखक द्वारा इस पुस्तक में वर्णित तमाम यथार्थ अनुभव ही इस पुस्तक में जान फूँक देते है.

गरुड़ पुराण का रहस्य

हिंदू धार्मिक ग्रंथ व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा के जीवन के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु के बाद हमारे शरीर का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है, लेकिन आत्मा की एक नई यात्रा शुरू हो जाती है. धार्मिक ग्रंथों में कर्म का वर्णन किया गया है. ऐसा कहा जाता है कि आपके जीवन में किये गए कर्म ही यह निर्धारित करते हैं कि मृत्यु के बाद आपका जीवन कैसा होगा. इस धरती पर जन्म लेने वाले प्रत्येक मनुष्य की एक दिन मृत्यु निश्चित है. लेकिन यह यात्रा मृत्यु के बाद समाप्त नहीं होती. इसके बाद आत्मा को उसके कर्मानुसार नरक, स्वर्ग या मोक्ष मिलता है.

गरुड़ पुराण में भी नरक की यातनाओं का वर्णन मिलता है. इसमें बताया गया है कि कौन से कर्मों के कारण प्राणी को नरक में कष्ट भोगना पड़ता है तथा किस प्रकार कर्मों के कारण कुछ प्राणी वैतरणी नदी में गिर जाते हैं.

यमलोक के रास्ते में वैतरणी नदी आती है, जिसका शास्त्रों में बहुत भयानक और कष्टकारी वर्णन किया गया है. इस वैतरणी में पापियों को उनके बुरे कर्मों की सजा मिलती है और उन्हें कई प्रकार की यातनाएं सहनी पड़ती हैं. आज हम गरुड़ पुराण में वर्णित इस नदी के बारे में जानते हैं कि किन कर्मों के कारण मृत्यु के बाद आत्मा को वैतरणी नदी में धकेल दिया जाता है. आइये जानें कि यमराज की दुनिया कैसी है और यमलोक में वैतरणी नदी कैसी है.

एक बार गरुड़जी ने भगवान से उन पापों के बारे में पूछा जिनके कारण मनुष्य वैतरणी नदी में गिरते हैं. तब भगवान ने समझाया कि जो लोग अच्छे कर्मों से दूर रहते हैं और हमेशा पाप कर्मों में लिप्त रहते हैं, उन्हें एक नरक से दूसरे नरक में जाना पड़ता है, एक के बाद एक दुख भोगना पड़ता है, और एक के बाद एक भय सहना पड़ता है. पापी आत्माओं को दक्षिणी द्वार से ले जाया जाता है. इस मार्ग के मध्य में वैतरणी नदी आती है, जहां पापी आत्माएं जाती हैं. जो लोग पृथ्वी पर ब्राह्मणों की हत्या करते हैं, शराब पीते हैं, बच्चों की हत्या करते हैं, गौ हत्या करते हैं, स्त्रियों की हत्या करते हैं, गर्भपात करते हैं, गुरुओं से धन हड़प ते हैं और ब्राह्मणों से धन हड़पते हैं, वे वैतरणी नदी में गिरते हैं.

लघुकथा

आलोक कौशिक

नालायक बेटा

रामानंद बाबू को अस्पताल में भर्ती हुए आज दो महीने हो गये। वे कर्क रोग से ग्रसित हैं। उनकी सेवा-सुश्रुषा करने के लिए उनका सबसे छोटा बेटा बंसी भी उनके साथ अस्पताल में ही रहता है। बंसी की मां को गुजरे हुए क़रीब पांच वर्ष हो चुके हैं। अपनी मां के देहावसान के समय बंसी तक़रीबन बीस वर्ष का था। सुबह के आठ बज रहे हैं। बंसी अपने पिता के लिए फल लाने बाज़ार गया है। तभी नियमित जांच करने हेतु डॉक्टर रामाश्रय का आगमन हुआ। रामानंद बाबू और डॉक्टर रामाश्रय लगभग एक ही उम्र के हैं। रामानंद बाबू की शारीरिक जांच करने के उपरांत डॉक्टर साहब ने उनसे पूछा, "आपकी केवल एक ही संतान है क्या. नहीं डॉक्टर साहब, बंसी के अलावे भी मेरे दो पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं। रामानंद बाबू ने जवाब दिया। फिर दो महीनों तक आपसे कोई मिलने क्यों नहीं आया, डॉक्टर साहब ने विस्मित होकर पूछा। वे सभी सरकारी सेवाओं में उच्च पदों पर आसीन हैं। आप तो जानते ही हैं, अभी के समय में अधिकारियों को सांस लेने तक की फुर्सत नहीं है। वैसे, बंसी से फोन पर सभी मेरी ख़ैरियत पूछते रहते हैं। मेरे सभी बच्चे बचपन से ही होनहार थे। केवल एक बंसी ही नालायक था। इसलिए अपने भाई-बहनों की तरह नहीं बन सका। रामानंद बाबू ने बड़ी सहजता से कहा। काश बंसी जैसा नालायक बेटा हर बाप के पास होता। डॉक्टर साहब यह कहते हुए वहां से चले गये।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC
डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,
डॉ.अतुल तेलरांदे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 28 मई 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

बिजली कटौती के लिए तत्काल उपाय करें : सुधीर मुनगंटीवार

> महावितरण अधिकारियों को निर्देश
> महावितरण के कामकाज की समीक्षा की
> कर्मचारियों की कमी, अपर्याप्त धन और नागरिक शिकायतों के मद्देनजर तत्काल निर्णय लेने के निर्देश

चंद्रपुर, सुनील तायडे

बल्लारपुर, मूल, पोंभुर्णा और चंद्रपुर तालुकाओं में लगातार बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें नागरिकों से समय-समय पर प्राप्त हो रही हैं। इस पृष्ठभूमि में, महावितरण विभाग के अधिकारियों को सुचारू बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। लगातार बिजली कटौती के कारण नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों और छोटे व्यापारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्यपालन राज्य मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने महावितरण के अधिकारियों को शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए।

बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र में महावितरण विभाग की शिकायतों के संबंध में योजना भवन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर विधायक सुधीर मुनगंटीवार बोल रहे थे. बैठक में जिलाधिकारी विनय गौड़ा, भाजपा नेता चंदनसिंह चंदेल, महावितरण के मुख्य अभियंता हरीश गजभे, महावितरण के अधीक्षक अभियंता संध्या चिवांडे, भाजपा महिला प्रदेश महासचिव अलका आत्राम, भाजपा महासचिव डॉ. मंगेश गुलवाडे, सूरज पेदुलवार, नम्रता थीमस्कर और अन्य उपस्थित थे।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि नागरिक महावितरण विभाग में कर्मचारियों की उपलब्धता, रखरखाव के लिए अपर्याप्त निधि और टेलीफोन पर भी कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने की शिकायत कर रहे हैं। जब तूफान और तेज हवाओं के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होती है तो अक्सर तीन दिनों तक बिजली नहीं आती। चंद्रपुर राज्य का एक प्रमुख बिजली उत्पादक जिला होने के बावजूद, यहां के नागरिकों को अंधेरे में रहना पड़ रहा है, जो एक बहुत गंभीर मामला है। महावितरण को सोमनाथ रोड पर कवर्ड कंडक्टर लगाने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी वन क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो तो वन विभाग के साथ समन्वय कर पेड़ों की शाखाओं की छंटाई की जाए तथा यदि बिजली के तार टूटे हों तो उन्हें तुरंत ठीक किया जाए।

चूंकि पोम्भुर्णा एक पिछड़ा तालुका है, इसलिए महावितरण को फीडर को एक विशेष मामले के रूप में मंजूरी देनी चाहिए। इसके लिए विशेष मामले के तहत प्रस्ताव तैयार कर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाए, ताकि आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किया जा सके।

विभाग में रिक्त पदों को तुरंत भरा जाए तथा नया डीसी कार्यालय स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएं। मानवशक्ति बाह्य तंत्र के माध्यम से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। विधायक मुनगंटीवार ने कहा कि किसानों के खेतों में गिरे खंभों को तत्काल हटाने की जरूरत है।

मुल तालुका में एक नया सबस्टेशन बनाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। हालाँकि, परियोजना लंबित है क्योंकि एफडीसीएम विभाग ने अभी तक भूमि हस्तांतरित नहीं की है। विधायक मुनगंटीवार ने इस मामले पर तत्काल कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

बल्लारपुर पेपर मिल क्षेत्र में अक्सर बिजली गुल रहती है, इसलिए वहां भूमिगत लाइन बिछाना जरूरी है। इसके लिए महावितरण को 22 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर डिस्कॉम को मंजूरी के लिए भेजना चाहिए। साथ ही, ग्राहकों की शिकायतों के निवारण के लिए बल्लारपुर में महावितरण का एक शाखा कार्यालय स्थापित करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। बल्लारपुर शहर में महावितरण की बिजली बिल वसूली 95 प्रतिशत है, जो डिस्कॉम को वित्तीय स्थिरता प्रदान करती है। इसलिए ग्राहकों को बेहतर और अधिक सुसज्जित सुविधाएं प्रदान करने के लिए, महावितरण को रखरखाव के लिए प्राप्त निधि का उचित उपयोग करना चाहिए और इस संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए।

दुर्गापुर में जो सबस्टेशन ताड़ाली में स्थानांतरित किया गया था उसे बहाल किया जाना चाहिए। इसके अलावा, ग्राहकों की शिकायतों के निपटारे के लिए दुर्गापुर में एक अलग कॉल सेंटर स्थापित किया जाना चाहिए।

बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत जनशक्ति एवं रिक्त पदों के अनुसार डिस्कॉम के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की जाए। महावितरण के तकनीकी सुधार के लिए आवश्यक प्रस्ताव लेना भी आवश्यक है।

भौतिक सुविधाएं जैसे अच्छी कार्यालय सुविधाएं, टेलीफोन सेवाएं, कर्मचारियों के लिए आवश्यक वाहन, तथा बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए सीढ़ियां आदि प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

ग्राहकों की संख्या और ग्राहकों के प्रकार के बारे में सटीक जानकारी एकत्र की जानी चाहिए। मोबाइल फोन से शिकायत दर्ज करने के लिए अलग से सॉफ्टवेयर विकसित करना आवश्यक है। महावितरण के शिकायत निवारण ऐप को "वंदे मातरम" और "हेलो चांदा" की अवधारणाओं की तर्ज पर लागू किया जाना चाहिए।

बिजली कटौती की स्थिति में नागरिकों के लिए शिकायत दर्ज करना आसान बनाने के लिए महावितरण विभाग के संबंधित अधिकारियों के नाम और मोबाइल नंबर के साथ एक साइनबोर्ड सामने के क्षेत्र में लगाया जाना चाहिए, ऐसे निर्देश सुधीर मुनगंटीवार ने बैठक में दिए.

अम्मा की अभिनव पहल में 300 छात्रों का चयन

> विधायक किशोर जोरगेवार की पहल

> छात्रों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा
> टेस्ट परीक्षा परिणाम घोषित किए जाएंगे

चंद्रपुर.

अम्मा की अभिनव पहल से गरीब और जरूरतमंद छात्रों को एमपीएससी , पुलिस भर्ती और सेना भर्ती जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करने की एक अभिनव पहल, विधायक किशोर जोरगेवार की अवधारणा के आधार पर कार्यान्वित की जा रही है। इस पहल के लिए परीक्षण परीक्षा के परिणाम हाल ही में घोषित किए गए हैं और तीन हजार छात्रों में से 300 छात्रों का चयन किया गया है ।

यह मॉक परीक्षा 13 अप्रैल को शहर के चार परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई थी। इसके अंतिम मेरिट सूची 26 मई को घोषित की गई और मेरिट के आधार पर कट-ऑफ अंक तय किए गए। तदनुसार, 300 चयनित विद्यार्थियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है।

चयनित विद्यार्थियों के प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद जून में वास्तविक प्रशिक्षण कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इन कक्षाओं में विशेषज्ञ शिक्षकों से मार्गदर्शन , निःशुल्क अध्ययन किताबें, शैक्षिक सामग्री के साथ-साथ प्रत्येक रविवार को अधिकारियों द्वारा विशेष मार्गदर्शन सत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी । इस अभिनव पहल से वित्तीय बाधाओं के कारण पीछे रह गए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा उनकी प्रगति के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाएगा।

विधायक किशोर जोरगेवार की पहल की बदौलत चंद्रपुर जिले के कई छात्र अधिकारी बनने का सपना पूरा कर सकेंगे। अम्मा की पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मविश्वास देकर उन्हें सशक्त बनाने का यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है। कई छात्र केवल वित्तीय बाधाओं के कारण अपने सपनों को छोड़ देते हैं , इसलिए इस पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य गरीब और जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करके उनके आत्मविश्वास और कौशल को बढ़ाना है। विधायक किशोर जोरगेवार ने यह भावना व्यक्त की है। इस पहल से चंद्रपुर जिले के विद्यार्थियों को अधिकारी बनने के अपने सपने को पूरा करने में मदद मिलेगी। अम्मा की पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मविश्वास देकर उन्हें सशक्त बनाने का यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है।

मेरिट के आधार पर सामान्य वर्ग के लिए कटऑफ अंक 62 , महिलाओं के लिए 58, बीपीएल के लिए 57, दिव्यांगों के लिए 32 और अनाथ छात्रों के लिए 21 अंक निर्धारित किए गए थे । तदनुसार, अंतिम रूप से 300 छात्रों का चयन किया गया है।

भयंकर गर्मी के दौरान स्वास्थ्य बनाए रखना आवश्यक

चंद्रपुर.

नया मौसम शुरू हो गया है, लेकिन कई स्थानों पर गर्मी और बारिश का मिलाजुला मौसम देखने को मिल रहा है। हालांकि, भीषण गर्मी जारी रहने की संभावना है और ऐसे माहौल में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है।

गर्मियों के महीनों में, विशेषकर नवतपा के दौरान, पृथ्वी नौ दिनों के लिए सूर्य के सबसे निकट होती है और तापमान अपने उच्चतम स्तर पर होता है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग गर्मी से बचाव के लिए निवारक उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करता है। मौसम विभाग ने इस वर्ष मानसून के समय से पहले आने की भविष्यवाणी की है, लेकिन विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है, क्योंकि चिलचिलाती धूप स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है।

हीटस्ट्रोक का विशेष खतरा किसे है : 5 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के साथ-साथ धूप में काम करने वाले मजदूर, पशु, शराब पीने वाले, धूम्रपान करने वाले और मधुमेह से पीड़ित लोगों को हीटस्ट्रोक का विशेष खतरा होता है।

हीट स्ट्रोक से बचने के लिए नागरिकों को क्या करना चाहिए: जितना संभव हो उतना पानी पीएं, भले ही आपको प्यास न लगी हो। हल्के, पतले और हवादार सूती कपड़े पहनें। बाहर जाते समय आपको चश्मा, छाता, टोपी, जूते और चप्पल का उपयोग करना चाहिए। यात्रा करते समय अपने साथ पानी की एक बोतल रखें। धूप में काम करने वाले लोगों को टोपी या छाता पहनना चाहिए। इसके अलावा, गीले कपड़ों से सिर, गर्दन और चेहरा ढका होना चाहिए। यदि शरीर में पानी की मात्रा कम हो रही हो, तो ओ.आर. एस., घर पर बनी लस्सी, तोरणी, नींबू पानी, छाछ आदि का प्रयोग करना चाहिए।

हीटस्ट्रोक के लक्षणों को पहचानें : जैसे कमजोरी, सुस्ती, सिरदर्द, लगातार पसीना आना आदि, और चक्कर आने पर डॉक्टर से परामर्श करें। मवेशियों को शिविर में रखा जाना चाहिए तथा उन्हें पर्याप्त पानी दिया जाना चाहिए। घर को ठंडा रखने के लिए पर्दे, शटर और सनशेड का उपयोग किया जाना चाहिए तथा रात में खिड़कियां खुली रखनी चाहिए। पंखे और गीले कपड़ों का उपयोग करना चाहिए।

इसके अलावा समय-समय पर ठंडे पानी से स्नान करें। कार्यस्थल के पास ठंडे पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। श्रमिकों को सूर्य की रोशनी के सीधे संपर्क से बचने की सलाह दी जानी चाहिए। अधिकांश काम सुबह जल्दी पूरा कर लेना चाहिए। बाहर काम करते समय नियमित रूप से ब्रेक लें और आराम करें। गर्भवती महिलाओं और बीमार श्रमिकों को अतिरिक्त देखभाल दी जानी चाहिए। धूप से बचाव के लिए सड़क के किनारे एक शेड बनाया जाना चाहिए। सभी स्थानों पर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

गढ़चिरोली में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे का कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिले में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या ने नागरिकों के जीवन को खतरा पैदा कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में, आज गढ़चिरोली विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे ने गढ़चिरोली के जिला कलेक्टर और गढ़चिरोली के पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपकर दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए तत्काल उपाय करने की मांग की।

पिछले कुछ महीनों में जिले में दुर्घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है और कई निर्दोष नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। दुर्घटनाओं ने कई परिवारों पर दुख ला दिया है। विधायक नरोटे ने बयान में कहा है कि प्रशासन इस गंभीर स्थिति को गंभीरता से ले और तत्काल निम्नलिखित कदम उठाए:

भारी वाहनों और ट्रकों को गति सीमा का सख्ती से पालन कराना चाहिए। राजमार्गों एवं मुख्य सड़कों पर अवैध पार्किंग को हटाया जाना चाहिए तथा अधिकृत पार्किंग व्यवस्था की जानी चाहिए।

व्यस्त समय के दौरान व्यस्त क्षेत्रों में यातायात को नियंत्रित किया जाना चाहिए। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की तुरंत मरम्मत की जानी चाहिए।

स्पीड गन, ड्राइवर टेस्ट और श्वास विश्लेषक प्रणाली का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए।

ड्राइवरों के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण अभियान लागू किए जाने चाहिए। दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा मिले यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जानी चाहिए। गढ़चिरोली शहर और पूरे जिले में यातायात पुलिस की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जानी चाहिए कि वे 24 घंटे कार्यरत रहें। "गढ़चिरोली के लोगों की जान बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए प्रशासन को तत्काल कदम उठाकर उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए," यह अपील विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे ने इस अवसर पर की।

गरीबों के घर का सपना होगा पूरा : मुनगंटीवार

> घरकुल लाभार्थियों को 5 ब्रास रेत का नि:शुल्क वितरण
> विधायक मुनगंटीवार ने रेत परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाई

चंद्रपुर.

घरकुल के लाभार्थियों को पांच ब्रास रेती निःशुल्क प्रदान करने की योजना का शुभारंभ राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्यपालन मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार द्वारा किया गया। इस पहल की शुरुआत रेत परिवहन करने वाले वाहनों को हरी झंडी देकर की गई।

भोजन, वस्त्र और आवास मनुष्य की बुनियादी ज़रूरतें हैं। इसका मतलब अपना घर होना हर किसी के जीवन की बुनियादी आवश्यकता है और हर किसी का सपना भी। आजादी के बाद कई लोगों ने अपने घर का सपना देखा। लेकिन, कई लोगों के ये सपने अभी भी अधूरे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में 4 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर मिले हैं। महाराष्ट्र में पहले चरण में 20 लाख तथा दूसरे चरण में 20 लाख मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसलिए, अब हर गरीब व्यक्ति का घर का सपना पूरा होगा, ऐसा विश्वास विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने इस अवसर पर व्यक्त किया।

एक घर बनाने के लिए औसतन पांच ब्रास रेत की आवश्यकता होती है। हालांकि रेत की कमी और बढ़ती लागत के कारण लाभार्थियों को अतिरिक्त रुपये खर्च करने पड़ रहे। परिणामस्वरूप, सरकारी सब्सिडी से आवास का निर्माण पूरा करना कठिन हो रहा था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सब्सिडी में 50,000 रुपये की वृद्धि की है तथा प्रत्येक लाभार्थी को पांच ब्रास रेत निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

महाराष्ट्र में घरकुल योजना के तहत मुफ्त रेत वितरण में चंद्रपुर जिला सबसे आगे है और आज प्रतिनिधिक रूप से 10 ब्रास रेत वितरित की गई। मुल और पोम्भुर्ना तालुका में भी निःशुल्क रेत वितरण का कार्य चल रहा है। हालांकि, उन्होंने घाट की सड़कों की तत्काल मरम्मत के भी निर्देश दिए, क्योंकि बारिश के कारण रेत वितरण कार्य में बाधा आ रही है।

उन्होंने कहा, "सरकार के निर्णय के अनुसार, वर्तमान में मुफ्त रेत वितरण की अनुमति केवल 10 जून तक है। इसलिए, लाभार्थियों को समय पर रेत प्राप्त करने के लिए सहायता और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। जब वे मुनगंटीवार पालकमंत्री थे, तो रमाई और शबरी योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को घर दिए गए थे। साथ ही, ओबीसी समुदायों के लिए 'नमो घरकुल' योजना शुरू की गई थी। इन सभी योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए मुफ्त रेत वितरण आवश्यक है.

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने घरकुल योजना में वृद्धि की है। इस योजना की समय सीमा 30 जून तक बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर सुधीर मुनगंटीवार ने मांग की.

'वॉर-2' में फिर भिड़ेंगे ऋतिक और एनटीआर

इस साल की टॉप एक्शन फिल्मों में से एक है ऋतिक रोशन की 'वॉर-2' वाईआरएफ स्पाई वालों के लिए इस फिल्म का अच्छा परफॉर्म करना बेहद जरूरी है. क्योंकि यहां फंसा एक पेंच, उनकी आने वाली फिल्मों के लिए खतरा बन जाएगा. खैर, इस बार प्लानिंग तगड़ी हुई है. ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को आमने सामने लाया गया है. फिल्म का 6 दिन पहले टीजर आया था, जिसमें हीरो और विलेन खूब एक्शन करते दिखे थे.

हालांकि, इसे लोगों का मिला जुला रिस्पॉन्स मिला. टीजर तो ठीक है, लेकिन फिल्म का एक जरूरी काम अब भी अधूरा है. जानिए मेकर्स कब इसे पूरा करेंगे.

फिल्म का एक अहम सीक्वेंस अब भी अधूरा है. दरअसल कुछ वक्त पहले ऋतिक रोशन को इंजरी हो गई थी, जिसके चलते सब कुछ रोकना पड़ा. मार्च के फर्स्ट वीक से शिफ्ट हुए शेड्यूल को जल्द पूरा किया जाएगा. अयान मुखर्जी ने जून के आखिरी हफ्ते में फिर ऋतिक और जूनियर एनटीआर को आमने-सामने लाने का फैसला किया है.हाल ही में मिड डे पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि दोनों सुपरस्टार्स के बीच होने वाले डांस फेस ऑफ का शूट जल्द होगा. अयान मुखर्जी ने इसके लिए जून के आखिरी हफ्ते को फाइनल किया है. इस गाने को अंधेरी के यशराज स्टूडियो में फिल्माया जाएगा, जहां आने वाले कुछ हफ्तों में एक ग्रैंड सेट बनाने की तैयारी शुरू की जाएगी. हालांकि, इसके लिए मेकर्स पहले भी काफी तैयारी कर चुके हैं.

दो महीने की लंबी तैयारी के बाद मार्च में शूट होना था, लेकिन तब काम अटक गया. तिक रोशन के पैर में चोट लग गई थी, जिसकी वजह से इसे आगे के लिए टालना पड़ गया. हालांकि, अब एक्टर बिल्कुल ठीक हो चुके हैं.

और जून के पहले हफ्ते से ही तैयारी शुरू कर दी जाएगी. अयान मुखर्जी ने जून के आखिरी हफ्ते में 10 दिनों की शूटिंग योजना बनाई है. जिसके बाद पूरी फिल्म का टोटल काम कंप्लीट हो जाएगा. इस डांस फेस ऑफ के लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. दरअसल ऋतिक तो अच्छे डांसर हैं ही, इस बार उनके सामने जूनियर एनटीआर हैं. जिन्होंने नाटू-नाटू से दुनिया को नचाया था.

'हाउसफुल 5' की डबल धमाल एक दिन में दो फिल्में

अक्षय कुमार लगातार कई फ्लॉप के बाद ट्रैक पर लौट रहे हैं. इस साल उनकी दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. पहली- स्काई फोर्स और दूसरी- केसरी चैप्टर 2. दूसरी पिक्चर को लोगों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था. अब उनकी तीसरी फिल्म रिलीज होने वाली है. 6 जून को हाउसफुल 5 आ रही है. फिल्म में 19 टॉप एक्टर्स नजर आने वाले हैं. साजिद नाडियाडवाला की फिल्म के दो वर्जन सीबीएफसी के सामने सबमिट किए गए हैं. अब मेकर्स की बड़ी प्लानिंग के बारे में पता लग गया है.आखिर क्यों मेकर्स ने फिल्म के दो वर्जन सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को सौंप दिए? इसी बीच बॉलीवुड हंगामा पर एक रिपोर्ट छपी. साजिद नाडियाडवाला ने बताया है कि वो एक ही दिन 'हाउसफुल 5' के दो अलग-अलग वर्जन को थिएटर्स में रिलीज करेंगे. लेकिन उससे बड़ा अपडेट यहां है. नई रिपोर्ट से पता लगा कि मेकर्स 'हाउसफुल 5' के दो अलग-अलग वर्जन ला रहे हैं. सबसे खास बात यह है कि दोनों ही वर्जन के किलर्स अलग होंगे. पहले वर्जन का नाम है- हाउसफुल 5 और दूसरे का-हाउसफुल 5 अगर पहले वर्जन में किलर होगा. तो दूसरे वर्जन का किलर होगा. इस प्लान की वजह है कि लोगों को बार-बार फिल्म देखने के लिए मजबूर कर पाए. ऐसा होगा भी क्योंकि जनता दोनों वर्जन के किलर्स को देखना चाहेगी. दरअसल फिल्म के जो आखिरी 20 मिनट होंगे, वो एकदम फ्रेश और नए होंगे. लोगों को कॉमेडी के साथ ही एकदम नया एक्सपीरियंस मिलेगा. वहीं, बुक माय शो में दोनों ही वर्जन को अलग-अलग लिस्ट किया जाएगा. ताकी ऑडियंस जो वर्जन देखना चाहती है, उसे आसानी से चुन पाए.

संस्कारी बहुओं का ग्लैमरस अवतार

टीवी सीरियल में सीधी-सादी और संस्कारी बहुओं का किरदार निभाने वाली मशहूर एक्ट्रेसेस असल जिंदगी में बेहद ग्लैमरस हैं. उनका ऑन-स्क्रीन लुक और रियल लाइफ स्टाइल देखकर आप भी दंग रह जाएंगे. कुछ तो इतनी बदल चुकी हैं कि पहली नज़र में उन्हें पहचानना भी मुश्किल होगा. आइए, देखते हैं अर्चना, प्रेरणा और गीत जैसी आपकी पसंदीदा 'संस्कारी बहुओं' का मॉडर्न अवतारदृष्टि धामी ने 'गीत हुई सबसे पराई' में गीत का किरदार निभाकर खूब लोकप्रियता हासिल की थी. इस शो में वो एक प्यारी, मासूम और पारंपरिक लड़की के रोल में थीं, जो अक्सर एथनिक पंजाबी सूट में नजर आती थीं. लेकिन असल जिंदगी में दृष्टि धामी बहुत स्टाइलिश और मॉर्डन हैं. रियल लाइफ में उन्हें वेस्टर्न आउटफिट्स पहनना पसंद है.जेनिफर विंगेट ने 'सरस्वतीचंद्र' में कुमुद का किरदार निभाया था. इस शो में वे एक सीधी-सादी, ट्रेडिशनल और खूबसूरत लड़की के किरदार में नजर आई थीं. उनका मासूमियत और सादगी दर्शकों को खूब पसंद आई थी. असल जिंदगी में जेनिफर विंगेट बेहद ग्लैमरस हैं. उन्हें फैशन के साथ एक्सपेरिमेंट करना बहुत पसंद है.हिना खान ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी. संस्कारी बहू और आदर्श बेटी के इस किरदार में हिना को खूब पसंद किया गया था. लेकिन टीवी की ये 'संस्कारी बहू' अब असल जिंदगी में एक फैशन आइकॉन बन चुकी हैं. उनके मॉडर्न और स्टाइलिश अवतार को देखकर पहली नज़र में हिना में छिपे 'अक्षरा' को पहचानना शायद मुश्किल हो जाए.निया शर्मा ने 'एक हज़ारों में मेरी बहना है' में मानवी का किरदार निभाया था. इस शो में वो एक प्यारी और मासूम लड़की के रोल में थीं, जो इंडियन कपड़ों में नज़र आती थी. लेकिन असल जिंदगी में निया शर्मा टीवी की सबसे बोल्ड और एक्सपेरिमेंटल अभिनेत्रियों में से एक हैं. उनकी ये तस्वीर देखकर आप यकीन नहीं कर पाएंगे कि ये वही मानवी हैं.

निया अक्सर अपने यूनिक और बोल्ड फैशन सेंस के लिए सुर्खियों में रहती हैं, जो उनके ऑन-स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग है.रुबीना दिलैक ने 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' में सौम्या (किन्नर बहू) का चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका दिया था. इस किरदार में वे हमेशा साधारण साड़ियों और सलवार-सूट में नज़र आती थीं. लेकिन असल जिंदगी में 'बिग बॉस' जीतने के बाद रुबीना का लुक और स्टाइल काफी बदल गया है. टीवी की ये मशहूर एक्ट्रेस अब एक जानी-मानी फैशनिस्टा बन चुकी हैं.पवित्र रिश्ता' की अर्चना के रूप में अंकिता लोखंडे ने घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी. साड़ी, बिंदी और सीधी-सादी बहू के इस किरदार में अंकिता ने लाखों दिलों पर राज किया. उनका ये लुक आज भी दर्शकों को याद है. लेकिन अपनी असल जिंदगी में अंकिता लोखंडे बेहद स्टाइलिश और फैशनेबल हैं. श्वेता तिवारी को 'कसौटी जिंदगी की' की प्रेरणा के रूप में भला कौन भूल सकता है. सीधी, समझदार और हर मुश्किल का सामना करने वाली प्रेरणा के किरदार ने श्वेता को घर-घर में लोकप्रिय बनाया. लेकिन असल जिंदगी में श्वेता बेहद स्टाइलिश हैं.

सलमान की चेतावनी! सिगरेट और फर्जी दोस्तों से रहो सावधान

सलमान खान अक्सर अपनी फैमिली को सबसे ज्यादा प्रायोरिटी देते नजर आते हैं. साथ ही साथ एक्टर का बॉन्ड भी सभी से काफी अच्छा लगता है. हाल ही में सलमान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने भाई सोहेल खान की एक वीडियो शेयर की है. ये एक एक्शन वीडियो है, जिसके साथ एक्टर ने लोगों को काफी काम की सलाह भी दी है. इस लेटेस्ट वीडियो में सोहेल खान सिगरेट पीते और फिर कमाल का एक्शन करते नजर आ रहे हैं.सलमान ने सोहेल का वीडियो शेयर करते हुए लोगों को सलाह दी कि सिगरेट पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है. इसके साथ ही एक्टर ने फेक दोस्तों के बारे में भी बात की है. वीडियो की बात करें, तो सोहेल सिगरेट पीते हुए कहते हैं कि अब सिगरेट खत्म, अब सिर्फ दोस्तों को खत्म करना बाकी है. इसके बाद एक्टर सामने खड़े लोगों को पीटते हुए नजर आते हैं. हालांकि, ये वीडियो कहां की है इसका जिक्र नहीं किया गया है.इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा है, उठो, सिगरेट पीना सेहत के लिए हानिकारक है और फर्जी दोस्त भी, यह सब परिवार के बारे में है. इसके साथ ही उन्होंने एक्शन डायरेक्टर रवि वर्मा को टैग किया है. साल 2014 में फिल्म जय हो में सलमान ने रवि वर्मा के साथ काम किया है. कई लोगों का कहना है कि ये सीन सोहेल खान की आने वाली किसी प्रोजेक्ट का है, तो वहीं कुछ इसे ब्रांड एंडोर्समेंट कह रहे हैं.सलमान के इस वीडियो पोस्ट करने के साथ ही साथ उनके फैंस ने कमेंट की बाढ़ ला दी है. कुछ इसमें सोहेल के लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ उनके आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में सवाल किए जा रहे हैं. एक यूजर ने तो इस सीन को देखकर लिखा है कि हॉलीवुड वाइब्स वूल्वरिन वाइब्स, तो वहीं सिगरेट के लिए लोगों को मना करने की सलाह के लिए भी लोग एक्टर की तारीफ किए जा रहे हैं.

जिया ने क्यों की थी आत्महत्या?

< सूरज पंचोली की मां ने किये बड़े-बड़े खुलासे

जिया खान और सूरज पंचोली का रिश्ता और अभिनेत्री की मौत के बारे में तो सभी ने सुना ही होगा। जिया खान ने सुसाइड किया था और इसके बाद सूरज पंचोली पर इसका आरोप लगा था कि उनकी वजह से ही ऐसा हुआ है। कई लोगों ने आरोप लगाए थे कि जिया खान को सूरज ने धोखा दिया था। लेकिन अब सूरज पंचोली की मां और मशहूर एक्ट्रेस जरीना वहाब का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वो अपने बेटे और जिया खान की मौत को लेकर बात करतीं दिख रही हैं। बता दें कि सूरज पंचोली की मां ने कहा है कि जो सुसाइड हुई थी इसमें उनके बेटे की गलती नहीं थी क्योंकि निधन के एक महीने पहले ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था। जरीना वहाब के इस वीडियो के सामने आने के बाद लोग हैरान हैं।

सूरज पंचोली और जिया खान को लेकर जरीना वहाब ने कहा, ''एक बात क्लियर करना चाहती हूं, जब इन दोनों की दोस्ती थी जो भी था। तब सलमान सूरज को लॉन्च करने वाला था। तब मैंने सूरज से बात की, कि बेटा सलमान आपको लॉन्च करने वाले हैं.. स्टॉप। तब सूरज ने उससे बात की और कहा कि मेरे पैरेंट्स नहीं चाहते कि हम मिलें और तुम्हारे पैरेंट्स भी नहीं चाहते तो ब्रेकअप कर लेते हैं। तो उसने कहा मैं कभी मिलने आऊं तो? तो सूरज ने कहा कि मुझसे एक दोस्त की तरह मिल सकती हो एक गर्लफ्रेंड की तरह नहीं। जो हादसा हुआ उसके एक महीने पहले ही दोनों का ब्रेकअप हो चुका था। तो उसने कि चलो मैं साउथ में ट्राय करती हूं और वो एक तेलुगू फिल्म के लिए गई। वहां पर ऑन द स्पॉट उसको रिजेक्ट किया और वो काफी डिप्रेस्ड थी। तो उसने सूरज को कॉल करने की कोशिश की लेकिन सूरज उस वक्त शूटिंग में बिजी थी तो वो कॉल नहीं उठा पाया। रात में उसने बात करने का ट्राय तब तक वो जा चुकी थी।''जरीना वहाब का ये वीडियो वायरल हो रहा है।

दीपिका की आलोचना पर संदीप का पलटवार

< जूनियर एक्ट्रेस को नीचा दिखाने की कोशिश

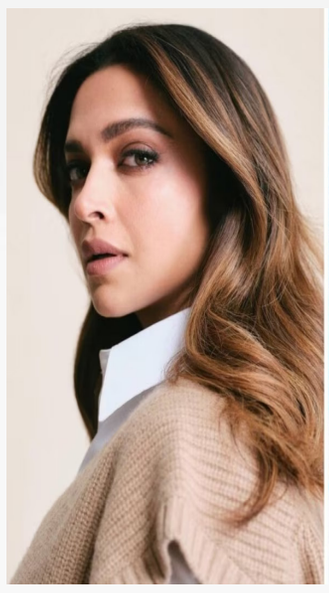

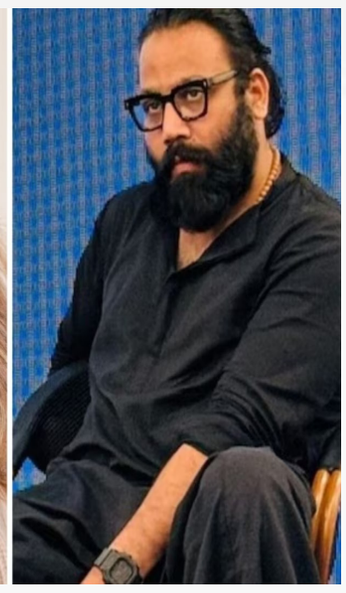

पॉपुलर डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं फिर उनके बाहर होने की खबर आई. फिलहाल, फिल्म 'स्पिरिट' में तृप्ति डिमरी का नाम फाइनल हो गया है. जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म को छोड़ा तो खबर आई कि फिल्म से जुड़ी जानकारियां सोशल मीडिया पर लीक हो रही हैं. अब संदीप रेड्डी वांगा ने दीपिका पादुकोण का नाम लिए बिना जमकर गुस्सा किया है. उन्होंने एक सोशल मीडिया के जरिए नाराजगी व्यक्त की है.संदीप रेड्डी वांगा ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा है, 'जब मैं एक एक्टर को कहानी सुनाता हूं तो उस पर 100 प्रतिशत भरोसा करता हूं. एक अनकहा एनडीए हमारे बीच होता है. लेकिन ये करके तुमने बता दिया है कि तुम किस तरह की इंसान हो. अपने से छोटी एक्ट्रेस को नीचा दिखाने और मेरी कहानी रिवील करके? क्या तुम्हारा फेमिनिज्म इसी के लिए? एक फिल्ममेकर के तौर पर मैंने अपने क्राफ्ट पर कई साल मेहनत की और मेरे लिए फिल्म मेकिंग सबकुछ है. तुम ये सब नहीं समझोगी. तुम कभी नहीं समझोगी. ऐसा करो, अगली बार पूरी कहानी बोलना. क्योंकि मुझे जरा भी फर्क नहीं पड़ता. डर्टी पीआर गेम्स. मुझे एक कहावत बहुत पसंद है- खुंदक में बिल्ली खंभा नोचे.गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स दीपिका पादुकोण से डिमांड से परेशान हैं. बताया जा रहा है कि उनका कहना है कि वह सिर्फ 8 घंटे काम करेगी.

मोनाको में दिशा का हॉट अंदाज

बॉलीवुड की हॉट एंड स्टनिंग एक्ट्रेस दिशा पाटनी एक बार फिर से अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में हैं. दिशा इन दिनों एफ 1 ग्रैंड प्रिक्स 2025 में शामिल होने के लिए मोनाको में हैं. फिलहाल एक्ट्रेस यहां अपने दोस्तों के साथ समय बिता रही हैं और इसी बीच उनका एक वीडियो और कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी, जिसमें उनका बैकलेस लुक देखने को मिल रहा है.बैकलेस टॉप लुक में दिशा पाटनी का ये वीडियो इंटरनेट पर जबरदस्त वायरल हो रहा है. क्लिप में एक्ट्रेस चॉकलेट ब्राउन कलर के डीप नेक और स्ट्रिंग टाई बैक वाले बोल्ड बैकलेस टॉप में नजर आ रही हैं. उन्होंने इस आउटफिट को लूट फिट डेनिम्स और शोल्डर क्लच बैग के साथ पेयर किया है. वीडियो में एक्ट्रेस के खुले बाल, डार्क सनग्लासेस और उनके कॉन्फिडेंस वॉक ने फैंस का दिल जीत लिया है.

दिशा का ये अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है और वायरल वीडियो पर एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कोई उन्हें 'ग्लैमर क्वीन', तो कोई 'हॉटनेस ओवरलोड' और 'स्टाइल आइकन' जैसे कॉमेंट्स दे रहा है. बता दें कि दिशा जल्द ही फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाली हैं. इस मल्टीस्टारर कॉमेडी मूवी में उनके साथ अक्षय कुमार, संजय दत्त, अरशद वारसी, रवीना टंडन और जैकलीन फर्नांडिस जैसे बड़े सितारे भी शामिल हैं. इससे पहले वह सूर्या की साउथ फिल्म 'कंगुवा' में भी नजर आ चुकी हैं.

'धड़क 2' की रिलीज़ डेट घोषित

करण जौहर की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धड़क 2' आखिरकार अब ट्रैक पर आ गई है. सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद मेकर्स ने फिल्म का एक और पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है. नए पोस्टर में सिद्धार्थ और तृप्ति की जोड़ी बेहद इंटेंस और रोमांटिक नजर आ रही है. पोस्टर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है.'धड़क 2' का पोस्टर करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. करण ने एक साथ दो इंटेंस पोस्टर पोस्ट किए हैं. पहले पोस्टर में सिद्धांत का चेहरा साफ नजर आता है, तो वहीं दूसरे में तृप्ति डिमरी की झलक दिखाई देती है. दोनों स्टार्स एक-दूजे में खोए नजर आते हैं, जिससे ये बात साफ है कि फिल्म में रोमांस के साथ काफी इमोशनल और थ्रिलर एलिमेंट्स भी होंगे.पोस्टर के साथ ही करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया है.

प्लेऑफ में मुंबई इंडियंस के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली.

आईपीएल 2025 का लीग स्टेज अब अपने आखिरी पड़ाव पर है और प्लेऑफ के लिए चार टीमें अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं. इनमें गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु, पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस शामिल हैं. हालांकि, मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ी चिंता सामने आई है, जो उनके फैंस और टीम मैनेजमेंट को परेशान कर सकती है. प्लेऑफ में उसका जिस भी टीम से सामना होगा उसे हराना आसान नहीं रहने वाला है. इसके पीछ एक बड़ी वजह है. आईपीएल 2025 के लीग स्टेज में मुंबई का प्रदर्शन काफी शानदार रहा. वह 14 मैचों में 8 जीत हासिल करने में कामयाब रही और पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर रही. लेकिन लीग स्टेज के दौरान मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंची बाकी तीनों टीमों (गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु और पंजाब किंग्स) के खिलाफ एक भी मैच नहीं जीत पाई है. इन तीन टीमों के खिलाफ मुंबई इंडियंस ने कुल 4 मैच खेले और इन सभी मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा. बुमराह-बोल्ट पर भारी 23 साल का खिलाड़ी, मुंबई से एकतरफा अंदाज में छीन लिया मैच 29 मार्च को लीग स्टेज के 9वें मैच में मुंबई इंडियंस को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा. यह हार मुंबई के लिए एक बड़ा झटका थी, क्योंकि गुजरात ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उन्हें पूरी तरह से पछाड़ दिया. इसके बाद 7 अप्रैल को सीजन के 20वें मैच में आरसीबी के खिलाफ मुंबई की हार 12 रनों की रही. यह मैच काफी करीबी था, लेकिन मुंबई की टीम आखिरी ओवरों में रन चेज करने में नाकाम रही. इसके बाद 6 मई को मुंबई का सामना गुजरात से एक बार फिर हुआ, लेकिन इस बार भी गुजरात ने 3 विकेट से जीत हासिल की. फिर 26 मई को सीजन के 69वें मैच में पंजाब किंग्स ने मुंबई को 7 विकेट से हराकर उनके लिए प्लेऑफ से पहले एक और चेतावनी दी.

फाइनल में पहुंचना भी मुश्किल

आईपीएल का इतिहास भी इस बार मुंबई के खिलाफ नजर आ रहा है. दरअसल, वह इस बार पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर रही है. ऐसे में उसे एलिमिनेटर मैच खेलना पड़ेगा. लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि जब भी वह लीग स्टेज में तीसरे और चौथे नंबर पर रही है, तब-तब वह फाइनल में नहीं पहुंच सकी है. यानी मुंबई को इस बार खिताब जीतना है तो आईपीएल के इतिहास को भी बदलना होगा.

आईपीएल मैच के दौरान फैन ने चीयरलीडर्स की नकल कर किया डांस

नई दिल्ली.

आईपीएल 2025 का रोमांच अपने चरम पर है, लेकिन हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुए मैच के दौरान एक अनोखा वाकया देखने को मिला, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. इस मैच में एक उत्साही फैन ने चीयरलीडर्स के सामने कुछ ऐसा किया, जिसकी वजह से सुरक्षाकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. मैच के दौरान जब दोनों टीमें मैदान पर जोरदार प्रदर्शन कर रही थीं, तब एक फैन अचानक अपनी सीट से उठा और बाउंड्री लाइन के पास चीयरलीडर्स की तरह डांस करने लगा. वह चीयरलीडर्स के काफी करीब जाकर डांस करते हुए देखा गया. उसकी इस हरकत ने कुछ फैंस को हंसने पर मजबूर कर दिया, लेकिन सुरक्षाकर्मियों को यह बिल्कुल पसंद नहीं आया. उन्होंने तुरंत उस फैन को रोककर स्थिति को काबू किया. इस घटना का वीडियो अब फैंस के बीच छाया हुआ है. हालांकि, स्टेडियम में ऐसी हरकतें सुरक्षा के लिहाज से सही नहीं मानी जातीं. आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में फैंस से यह उम्मीद की जाती है कि वे उत्साह के साथ-साथ नियमों का भी पालन करें.

राजस्थान रॉयल्स ने मारी बाजी : मैदान पर बात करें तो राजस्थान रॉयल्स ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया. युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 57 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसकी बदौलत राजस्थान ने चेन्नई के 188 रनों के टारगेट को आसानी से 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया. हालांकि, दोनों टीमें इस हार-जीत के बावजूद प्लेऑफ में अपनी जगह नहीं बना सकीं, लेकिन इस मैच ने फैंस को भरपूर मनोरंजन दिया.ये सीजन इन दोनों ही टीमों के लिए काफी खराब रहा. राजस्थान रॉयल्स 14 मैचों में 10 हार के साथ 9वें स्थान पर रही. वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स ने भी इस सीजन के 10 मैचों में हार का सामना किया. जिसके चलते वह 10वें स्थान पर रही. बता दें, ये आईपीएल के इतिहास में पहला मौका है जब चेन्नई सुपर किंग्स पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रही है. ऐसे में दोनों ही टीमों की नजर अगले सीजन में दमदार वापसी पर रहेगी.

नाइंसाफियों का जवाब प्रदर्शन से दे रहे हैं श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली.

जवाब देना ही है तो जुबान क्यों, काम से क्यों ना दिया जाए. और, श्रेयस अय्यर ये बात खूब समझते हैं. इसीलिए वो अपने खिलाफ हुई हर एक नाइंसाफी का जवाब अपने काम से दे रहे हैं. श्रेयस अय्यर के साथ हुई नाइंसाफियों की फेहरिस्त जरा लंबी है, मगर अब तक उन्होंने हर एक का जवाब दिया है. उन्होंने हर बार हवा के रुख को मोड़ा है. और, अब तो आलम ऐसा है कि श्रेयस अय्यर का बस नाम ही काफी है.

केकेआर ने किया ऐसा 'बर्ताव' तो काम से दिया जवाब : श्रेयस अय्यर के साथ हुए अन्याय का ताजा मामला तो 26 मई से ही जुड़ा है. केकेआर ने इस दिन अपने तीसरे आईपीएल खिताब को जीतने के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया. मगर जिस कप्तान के अंदर उसने वो खिताब जीता था, यानी कि श्रेयस अय्यर, उसने उन्हें ही जश्न से दूर रखा. श्रेयस अय्यर ने खुद को नजरअंदाज किए जाने का जवाब केकेआर को 26 मई को ही अपने काम से दे दिया, जब उन्होंने अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को क्वालिफायर 1 खेलने का लाइसेंस दिला दिया. ये उस नाइंसाफी का भी जवाब है, जो केकेआर ने उन्हें आईपीएल 2025 के लिए रिटेन ना करके की थी.

टेस्ट टीम से ड्रॉप, छिन गया कॉन्ट्रेक्ट : श्रेयस अय्यर के साथ टीम इंडिया में भी नाइंसाफी कम नहीं हुई. मगर यहां भी जवाब में उनका काम ही बोला. उन्होंने भारत के लिए आखिरी टेस्ट फरवरी 2024 में खेला था. उन्हें खराब प्रदर्शन का हवाला देते हुए टीम से निकाल दिया गया था. अय्यर को टेस्ट टीम से ड्रॉप होने का तो मलाल था ही लेकिन उस जले पर और नमक छिड़कने का काम बीसीसीआई के उस फैसले ने किया, जिसके बूते उसने अनुशासनहीनता का हवाला देकर उन्हें कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट से ही बाहर कर दिया गया.

श्रेयस अय्यर ने हर अन्याय का काम से दिया जवाब : श्रेयस अय्यर ने जल्दी ही इन नाइंसाफियों का जवाब दिया. उन्होंने रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रनों का अंबार लगा दिया. 2024-25 में रणजी में उन्होंने 90.40 की औसत से 454 रन बनाए. विजय हजारे ट्रॉफी में 325 रन 325 की स्ट्राइक रेट से मारे जबकि सैयद मुश्ताक अली में करीब 50 की औसत से 345 रन जड़े. घरेलू क्रिकेट में एक के बाद एक श्रेयस अय्यर के इन दमदार परफॉर्मेन्स को देखकर आखिरकार बीसीसीआई को भी अपना फैसला बदलना पड़ा और उन्होंने अय्यर को फिर से सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में खोया उनका सम्मान वापस दिया.

इंग्लैंड दौरे के लिए नहीं चुना गया, चीफ सेलेक्टर ने दी बड़ी दलील : आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की बातें होने लगी. इसी बीच उनकी भारत की टेस्ट टीम में फिर से वापसी भी भी चर्चा होने लगी. फरवरी 2024 में टीम इंडिया की टेस्ट टीम से ड्रॉप होने के बाद श्रेयस अय्यर ने जो किया, उसे देखने के बाद हर किसी ने उनके इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने की वकालत की. कयास भी ऐसे ही थे. मगर जब टीम का ऐलान हुआ तो उसमें श्रेयस अय्यर का नाम तक नहीं आया. टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर ने कहा कि मौजूदा टीम में अय्यर के लिए जगह नहीं बनती.

इस बार भी अय्यर का काम बोलेगा, जुबान नहीं : बीते रणजी सीजन में देखें तो श्रेयस अय्यर ने 90.40 की औसत से रन बनाए. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ओवरऑल औसत भी 48 से ज्यादा है. फिर क्यों नहीं रेड बॉल की टीम में जगह बनती, अगरकर का ऐसा कहना समझ से परे हैं.

अनाया बांगर के 'असली रूप' में लौटने के ऐलान से मचा सवालों का तूफान

नई दिल्ली.

अनाया बांगर ने बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने अपने असली रूप में लौटने की घोषणा की है. कुछ वक्त पहले ही अनाया बांगर लड़का से लड़की बनकर इंग्लैंड से वापस भारत आई हैं. लड़का से लड़की बनने के बाद उन्होंने सुर्खियां भी खूब बटोरी है. मगर अब उन्होंने ऐलान किया है कि वो अपने असली रूप में लौटेंगी. सवाल है क्या अनाया बांगर ने यू-टर्न लेने का मन बना लिया है? क्या वो फिर से लड़का बनने वाली है? उनके असली रूप में लौटने बोलने का क्या मतलब है?

अनाया बांगर अपने असली रूप में लौटेंगी? : अनाया बांगर ने एक वीडियो शेयर किया है. ये वीडियो उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी में अपलोड किया था, जिसमें वो अपने एक दोस्त सनत चड्ढा के साथ ये कहती दिख रही हैं कि वो असली रूप में लौट रही हैं. अब इसका क्या मतलब है, उस बारे में तो उन्होंने नहीं बताया. मगर इतना जरूर लग रहा है कि अनाया अब फिर से लड़की से लड़का बनने की तो नहीं सोच रहीं. ऐसे में उनके वैसा बोलने का मकसद शूट से जुड़ा कुछ हो सकता है.

शूट के लिए दिल्ली आई हैं अनाया : अनाया बांगर ने जब ये वीडियो शेयर किया तब वो दिल्ली-एनसीआर में ही थीं. वीडियो में दिख रही उनकी दोस्त सनत पेशे से फैशन वर्ल्ड से जुड़ी हैं. माना जा रहा है कि अनाया दिल्ली में किसी शूट के सिलसिले में रुकी हैं. पिछले दिनों उन्होंने शूट को लेकर ही फोटोग्राफर की जरूरत का जिक्र भी अपनी इंस्टा स्टोरी में किया था.

गुरुग्राम के बेस्ट कबाब का लिया मजा : शूट के शेड्यूल के बीच अनाया बांगर ने दिल्ली-एनसीआर के जायके का भी खूब मजा लिया. उन्होंने गुरुग्राम की बेस्ट कबाब खाए. कबाब के मजे अनाया बांगर ने गुरुग्राम में मौजूद अमन फिश एंड चिकन बाइ पहलवान रेस्टोरेंट में जाकर लिए, जिसकी तस्वीरें भी उन्होंने अपनी सोशल मीडिया में पोस्ट की.

संजय बांगर की बेटी हैं अनाया

अनाया बांगर, भारत के पूर्व क्रिकेट संजय बांगर की बेटी हैं. इनकी पहचान पहले आर्यन बांगर के तौर पर थी, जो पेशे से एक क्रिकेटर थे. वो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर थे. अंडर एज क्रिकेट टूर्नामेंट्स में आर्यन यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान जैसे क्रिकेटरों के साथ खेल भी चुके हैं. हालांकि, आर्यन से अनाया बनने के बाद भी क्रिकेट प्रेम गया नहीं है. हाल ही में अनाया बैटिंग प्रैक्टिस करते दिखी थीं.

अंडर 19 टीम के सबसे अमीर खिलाड़ी बने वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली.

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है. ना सिर्फ सीनियर टीम का बल्कि इंडिया अंडर 19 टीम का भी. 18 सदस्यीय सीनियर टीम की कमान शुभमन गिल के हाथ में हैं. वहीं 16 सदस्यीय इंडिया अंडर 19 टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे करते दिखेंगे. वैभव सूर्यवंशी इन दोनों में इंडिया अंडर 19 टीम का हिस्सा हैं. मतलब वो आयुष म्हात्रे की कप्तानी में इंग्लैंड में खेलेंगे. वैभव सूर्यवंशी अपनी टीम यानी इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी इंडिया अंडर 19 टीम के सबसे अमीर खिलाड़ी हैं. मतलब उस 16 सदस्यीय टीम में उनकी नेटवर्थ सबसे ज्यादा है.

वैभव सूर्यवंशी की नेटवर्थ सबसे ज्यादा : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वैभव सूर्यवंशी की नेटवर्थ अभी ढाई करोड़ रुपये है. इतनी रकम के साथ ही वो इंग्लैंड के लिए चुनी इंडिया अंडर 19 टीम के सबसे अमीर खिलाड़ी हैं. ये कमाई उनकी आईपीएल सैलरी. मैच फीस और कुछ एंडोर्समेंट के जरिए होती है. आईपीएल 2025 के लिए राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था.

कप्तान आयुष म्हात्रे की नेटवर्थ कितनी? : अब सवाल है कि वैभव सूर्यवंशी अगर सबसे अमीर हैं तो बाकियों का क्या हाल है? सबसे ज्यादा नेटवर्थ के मामले में वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे नंबर इंडिया अंडर 19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आयुष म्हात्रे की नेटवर्थ 1-2 करोड़ रुपये तक बताई जाती है. वैभव सूर्यवंशी की ही तरह आयुष म्हात्रे ने भी अपना आईपीएल डेब्यू मौजूदा सीजन में ही किया. उन्होंने सीएसके के लिए खेला, जिसने उन्होंने 30 लाख रुपये में खरीदा था.

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम चयन में हुआ बड़ा ड्रामा

नई दिल्ली.

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन कर दिया गया है. भारत की 18 सदस्यीय टेस्ट टीम की कमान इस बार उसके नए कप्तान शुभमन गिल के हाथों में है. बतौर कप्तान शुभमन गिल भी उस मीटिंग का हिस्सा थे, जहां टीम चुनी गई. बहरहाल, अब ये खबर आ रही है कि जिन 18 खिलाड़ियों को चुना गया है, उनमें से एक के सेलेक्शन को लेकर गौतम गंभीर खिलाफ थे. उस खिलाड़ी का सेलेक्शन बड़ी मुश्किल से इंग्लैंड दौरे की टीम इंडिया में हुआ है. उसके लिए गिल को गंभीर को राजी करने में पापड़ बेलने पड़े हैं. उन्होंने तकरीबन आधे घंटे तक समझाया है, तब जाकर हेड कोच गौतम गंभीर उस खिलाड़ी को लेने को तैयार हुए.

इस खिलाड़ी के सेलेक्शन पर गिल-गंभीर में थी ठनी! : अब आप सोच रहे होंगे कि वो खिलाड़ी है कौन? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस खिलाड़ी को लेकर गौतम गंभीर और शुभमन गिल में ठन गई थी, उनका साई सुदर्शन है. हालांकि, ये थोड़ा समझ से परे भी है कि गंभीर, उनके चुने जाने के खिलाफ क्यों थे? वो भी तब जब उनका प्रदर्शन ही नहीं अच्छा है बल्कि उनके पास इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट में खेलने का अनुभव भी हैं.

शुभमन गिल के मनाने पर माने गंभीर! : बीसीसीआई सूत्र के हवाले से क्रिकब्लॉगर ने लिखा कि गौतम गंभीर खुद भी एक बाएं हाथ के बल्लेबाज रहे हैं, बावजूद इसके उनका साई सुदर्शन के लिए मना करना समझ से परे रहा. साई सुदर्शन के नाम की दुनिया भर के क्रिकेटर वकालत कर रहे थे, मगर लगता है गंभीर का प्लान कुछ और ही था. बहरहाल, शुभमन गिल ने आखिरकार उन्हें अपना इरादा बदलने पर मजबूर किया और फिर साई सुदर्शन को चुना गया.

तीसरे ओपनर हो सकते हैं साई सुदर्शन : टीम इंडिया में साई सुदर्शन का सेलेक्शन ओपनिंग स्लॉट के लिए हुआ है. ऐसा माना जा रहा है कि वो टीम के तीसरे ओपनर होंगे. साई सुदर्शन के सेलेक्शन में उनके आईपीएल और रणजी के प्रदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. वो आईपीएल 2025 में फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में एक हैं. जबकि उन्होंने 2024-25 के रणजी सीजन में 76 की औसत से रन बनाए हैं, जि,समें एक डबल सेंचुरी भी हैं.

पंजाब किंग्स के लिए निभाया अपना वचन

> आखिरकार मिला जीत का फल

नई दिल्ली.

धमकियां अच्छे-अच्छों को तोड़ देती हैं. मगर पंजाब किंग्स का वो खिलाड़ी अपनी टीम के लिए फिर भी खड़ा रहा. उसने अपने कदम पीछे नहीं खींचे. उसने अपना फैसला नहीं बदला. और, आज उसका वही फैसला रंग लाया है. हम बात कर रहे हैं पंजाब किंग्स के खिलाड़ी शशांक सिंह की, जिन्होंने आईपीएल 2025 के शुरू होने से पहले एक सवाल के जवाब में अपनी टीम का नाम लिया था. उस जवाब के लिए उन्हें धमकी भी मिली थी. मगर उसकी परवाह ना करते हुए वो फिर भी अपनी टीम पंजाब किंग्स के साथ खड़े रहे थे.

पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर शशांक सिंह से जुड़ा ये मामला शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट का है. मार्च 2025 में हुए उस पॉडकास्ट के दौरान ही शशांक से सवाल हुआ था कि उनकी नजर में आईपीएल 2025 की टॉप 4 टीम कौन सी है? इस सवाल के जवाब में शशांक सिंह ने पहला ही नाम अपनी टीम पंजाब किंग्स का लिया, जिस पर पॉडकास्ट के एंकर शुभांकर मिश्रा को हंसी आ गई. शशांक सिंह ने हालांकि आगे कहा कि वो मजाक नहीं कर रहे बल्कि वो पंजाब किंग्स को टॉप टू में देख रहे हैं. शशांक सिंह ने आगे कहा कि वो खुद फोन कर इस पॉडकास्ट को एक बार फिर से चलाने को कहेंगे जब ग्रुप स्टेज का 14वां मैच खत्म होगा, इस पर शुभांकर मिश्रा ने मजाकिया लहजे में उन्हें ट्रोल करने की धमकी भी दी. मगर फिर भी शशांक सिंह अपनी बात पर अड़े रहे कि पंजाब किंग्स टॉप 2 में पहुंचेगी. आज शशांक सिंह का वो फैसला रंग लाया है. पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 के टॉप टू में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई है.

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत ने की धमाकेदार शुरुआत

बैंकॉक.

भारत ने मंगलवार को बैंकॉक में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, जिसमें राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर बढ़त बनाई। इससे पहले दिन में सर्विन सेबेस्टियन ने पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में कांस्य पदक जीतकर भारत का पदक खाता खोला था।

गुलवीर सिंह ने देश को दिलाया स्वर्ण पदक : 2023 एशियाई खेलों के 26 वर्षीय कांस्य पदक विजेता गुलवीर ने 10,000 मीटर में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए एक संतुलित और संयमित प्रदर्शन किया। उन्होंने 28 मिनट 38.63 सेकंड का समय लेकर अंतिम कुछ लैप तक चली रेस में स्वर्ण पदक जीता। हालांकि उनका समय इस साल की शुरुआत में बनाए गए 27:00.22 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से काफी कम था, लेकिन इस जीत ने महाद्वीपीय मंच पर भारतीय लंबी दूरी की दौड़ के लिए एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की। वैसे यह एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में भारत का तीसरा स्वर्ण है, इससे पहले हरि चंद (1975) और जी लक्ष्मणन (2017) ने स्वर्ण पदक जीता था।

जापान के सुजुकी को मिला रजत : जापान के मेबुकी सुजुकी ने 28:43.84 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप ने 28:46.82 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। अंतिम 800 मीटर में शानदार तेजी के साथ, गुलवीर सुजुकी और रोप से आगे निकल गए। उनकी जीत ने न केवल भारत को चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण दिलाया, बल्कि एशिया के सर्वश्रेष्ठ लंबी दूरी के धावकों में से एक के रूप में उनकी बढ़ती प्रतिष्ठा को भी मजबूत किया। दूसरी ओर, सेबेस्टियन ने कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में कड़ी टक्कर दी और भारत के लिए इस स्पर्धा का पहला पदक (कांस्य) 1 घंटे 21 मिनट और 13.60 सेकंड में अपने सर्वश्रेष्ठ समय में हासिल किया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ समय (1:21:23) इस साल फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान आया था। चीन के वांग झाओझाओ ने 1:20:36.90 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान के केंटो योशिकावा ने 1:20:44.90 के समय के साथ रजत पदक जीता। सेबेस्टियन दौड़ के अधिकांश समय तक अग्रणी समूह में रहे और पोडियम पर समाप्त करने के लिए पीछा करने वाले समूह से देर से चुनौती को रोकने में कामयाब रहे। इस स्पर्धा में अन्य भारतीय अमित 1:22:14.30 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जो पदक की दौड़ से बाहर थे, लेकिन फिर भी उनका प्रदर्शन ठोस रहा।

भारत ने भेजा है 58 सदस्यीय दल : भारत ने इस साल एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 58 सदस्यीय दल भेजा है, जिसका लक्ष्य पिछले संस्करण में जीते गए 27 पदकों को और बढ़ाना है। गुलवीर और सेबेस्टियन ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया, जिससे अब उम्मीदें बढ़ गई हैं क्योंकि बाकी भारतीय टीम आने वाले दिनों में पदक तालिका में इजाफा करना चाहेगी।

महिलाओं की भाला फेंक में अन्नु रानी ने किया निराश : इस बीच, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी ने महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन किया और बारह खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर रहीं। अन्नू का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 58.30 मीटर रहा, जो पोडियम फिनिश 64 सेंटीमीटर से कम रहा। जापान की सेई ताकेमोटो ने 58.94 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। अन्नू का प्रदर्शन उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63.82 मीटर से काफी नीचे रहा। चीन की सु लिंगदान ने 63.29 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान की मोमोन उएदा ने 59.39 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। विशेष रूप से, पेरिस ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता हारुका कितागुची ने चैंपियनशिप में भाग नहीं लिया। चैंपियनशिप शनिवार तक जारी रहेगी, जिसमें भारत की नजर ट्रैक, फील्ड और मिक्स्ड रिले स्पर्धाओं में सभी श्रेणियों में दमदार प्रदर्शन करने पर होगी।

सादिया इकबाल बनीं आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग की नंबर 1

नई दिल्ली.

पाकिस्तान की लेफ्ट स्पिनर सादिया इकबाल ने मंगलवार को जारी आईसीसी महिला रैंकिंग में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को पछाड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहने के बाद एक्लेस्टोन पहले से चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। चोट से उबरने के बाद उन्होंने पिछले हफ्ते घरेलू क्रिकेट खेला था। उनकी जगह अब एक अन्य लेफ्ट आर्म स्पिनर सादिया ने ले ली है। वहीं भारत की दीप्ति शर्मा और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड ने एक-एक स्थान के सुधार के साथ क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया है।पिछले साल अक्टूबर में दुबई में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान सादिया कुछ समय के लिए नंबर एक पर थीं। उस समय वह अपने देश की पहली महिला खिलाड़ी बनी थीं।

इंग्लैंड की नई गेंदबाज लॉरेन बेल सीरीज में सर्वाधिक सात विकेट लेने के बाद 13 पायदान चढ़कर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। लिंसी स्मिथ (37 पायदान चढ़कर 41वें स्थान पर) और इस्सी वोंग (32 पायदान चढ़कर संयुक्त 62वें स्थान पर) गेंदबाजी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाली अन्य खिलाड़ी हैं। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मैथ्यूज ने तीन मैचों की श्रृंखला में 177 रन बनाकर शीर्ष स्कोर किया था, जिसमें कैंटरबरी में पहले मैच में नाबाद शतक (100) भी शामिल था और उन्हें श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने भारत की स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्रा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जिस पर वह पिछली बार पिछले साल दिसंबर में काबिज थीं। ताहलिया मैकग्रा और स्मृति मंधाना क्रमशः एक-एक स्थान लुढ़क क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गई। इंग्लैंड की पूर्व कप्तान हीथर नाइट, जिन्होंने चेम्सफोर्ड में तीसरे मैच में नाबाद 66 रन सहित 109 रन का योगदान दिया था, सात पायदान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि कप्तान नैट साइवर ब्रंट 92 रन बनाने और अपनी टीम को 3-0 से सीरीज क्लीन स्वीप करने के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। सोफिया डंकली आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

डॉ. एस. राधाकृष्णन चेयर के लिए एम.एल. राजा का चयन

> उपराष्ट्रपति ने की घोषणा

नई दिल्ली.

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने डॉ. एम.एल. राजा को प्रतिष्ठित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चेयर से सम्मानित किया. डॉ. राजा एक बहुआयामी विद्वान हैं, जिनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग, पुरातत्व, और इतिहास में है. उन्होंने प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र और ऐतिहासिक कालक्रम पर कई किताबें लिखी हैं. यह पुरस्कार उनके भारतीय इतिहास और संस्कृति में योगदान के लिए है. राज्यसभा की तरफ से 2009 में स्थापित इस चेयर का उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र पर शोध को बढ़ावा देना है.

उपराष्ट्रपति निवास में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. एम. एल. राजा की नामांकन की घोषणा करते हुए धनखड़ ने कहा कि मैं विशेष रूप से उनका स्वागत करता हूं, जिनकी उपस्थिति मैंने आग्रहपूर्वक चाही थी और वे हैं. डॉ. एम. एल. राजा यह चेयर भारत माता के एक महान सपूत, पहले उपराष्ट्रपति जो बाद में राष्ट्रपति बने. डॉ. एस. राधाकृष्णन की स्मृति में स्थापित की गई थी. उन्होंने कहा कि वे एक दार्शनिक, शिक्षक तथा अकादमिक प्रतिबद्धता के प्रतीक थे.

1962 में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस घोषित किया गया, जो डॉ. एस. राधाकृष्णन का जन्मदिन है. इससे यह स्पष्ट होता है कि आप किसी भी पद पर हों राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, दार्शनिक या लेखक लेकिन समाज में मान्यता शिक्षक के रूप में ही मिलती है. इसे सदैव याद रखें. जैसे माता-पिता का सम्मान करते हैं, वैसे ही अपने शिक्षकों का भी करें.

प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र पर एम. एल. राजा ने लिखीं 13 किताबें

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि डॉ. एम. एल. राजा एक बहुआयामी विशेषज्ञ हैं. नेत्र रोग विशेषज्ञ, अभिलेख विद, पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकार हैं. वे वर्तमान में एवीएनएएसएच (राष्ट्रीय कलाओं एवं वैज्ञानिक धरोहर पर केंद्रित अकादमी) तथा आरआईसीएच (कालक्रम और इतिहास पर शोध संस्थान) के निदेशक हैं. चिकित्सा (एम.बी., बी.एस., डी.ओ.), पुरातत्व और अभिलेख विद्या (डी.आई.ए.ई.), तथा इतिहास (एम.ए.) में योग्यता रखते हैं.

मृत लोगों के नाम पर निकाली गई मजदूरी

> जबलपुर में ये कैसे हुआ चमत्कार?

भोपाल.

मध्य प्रदेश में धोखाधड़ी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे. हाल ही में यहां फर्जी सर्प दंश के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया था. अब यहां मनरेगा में मृत लोगों को काम पर रखने और उनके नाम से मजदूरी का पैसा निकालने का मामला सामने आया है. यह मामला मध्य प्रदेश में जबलपुर जिले के पाटन में बयाखेड़ा ग्राम पंचायत का है. यहां अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब निर्माण का काम चल रहा था.

इसमें आरोप लगा था कि कई मृत लोगों के नाम मस्टरोल बनाकर उनके नाम पर मजदूरी का गड़बड़झाला किया गया है. इस मामले में जिले की आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (इओडब्ल्यू) ने जांच की. इसमें आरोपों की पुष्टि हो गई है. पता चला कि सरपंच, उपसरपंच और पंचायत सचिव ने मिलकर इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया है. इस जांच में यह भी साफ हो गया है कि कई साल पहले मर चुके लोगों के नाम पर भी दिहाड़ी बनाई और निकाली गई है. इओडब्ल्यू के अनुसार, ग्राम पंचायत बयाखेड़ा में पिछले दिनों अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब निर्माण का कराया गया था. यह काम मनरेगा के तहत हुआ था. इस दौरान सरपंच पुन्नू कोल, उपसरपंच राजेन्द्र यादव और सचिव देवश्री यादव ने मनरेगा के मस्टररोल में मृतक कन्नू लाल बर्मन का नाम दर्ज किया. जबकि कन्नू लाल की मृत्यु काफी समय पहले ही हो चुकी थी. यही नहीं, सरपंच और उपसरपंच की मौजूदगी में इस मृत व्यक्ति के हस्ताक्षर कराते हुए मजदूरी की राशि भी निकाल ली.

पाकिस्तान का ये दोस्त खोद रहा कब्र

नई दिल्ली.

सऊदी, तुर्की और ईरान जैसे मध्य पूर्व के देश जहां परमाणु बनाने का फॉर्मूला खोजने में जुटे हैं. वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान का मित्र मिस्र कब्र खोज रहा है. सोमवार को भी मिस्र ने 3 कब्र खोजा है.

इस खोज को मिस्र ने ऐतिहासिक बताया है. यह खोज ग्रैंड इजिप्टियन म्यूजियम के बहुप्रतीक्षित पूर्ण उद्घाटन से पहले की है. मिस्र के पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि पुरातत्वविदों ने नवीन साम्राज्य काल (1550-1070 ईसा पूर्व) के कब्रों की खोज की है और उनमें पाए गए शिलालेखों के माध्यम से उनके मालिकों के नाम और उपाधियों की पहचान की है, जिसका लंबे वक्त से इंतजार किया जा रहा था.

मिस्र सरकार के मुताबिक कब्र में दफनाए गए लोगों की पहचान हो गई है. बाकी सामानों की पहचान के लिए शोध जारी है. सरकार के मुताबिक एक कब्र रोमेनसाइड के वक्त की है. बाकी के दो कब्र 18वें राजवंश के वक्त की है. कब्र से जो सामान मिले हैं, उनमें लकड़ी और कुछ बर्तन हैं. ये क्यों रखे गए थे, इसकी शोध की जा रही है. कब्र के पास से एक कुंआ भी बरामद हुआ है. पुरातत्वविदों का मानना है कि दफन से पहले इसी कुएं में शवों को नहलाया जाता रहा होगा.

मिस्र में पिछले एक साल में 15 कब्रों की खोज की गई है. 2024 में मिस्र ने 11 सीलबंद कब्र और एक मकबरे की खोज की थी. इसी तरह इस साल की शुरुआत में एक कब्र की खोज की गई थी. यह कब्र 3500 साल पुराना था. इसी तरह अब मिस्र ने 3 कब्रों की खोज की है.

यह खोज ऐसे वक्त में की गई है, जब लग्जमबर्ग में इसको लेकर प्रदर्शनी का आयोजन प्रस्तावित है. मिस्र की सरकार के मुताबिक इस प्रदर्शनी में समृद्ध प्राचीन विरासत की 100,000 से अधिक कलाकृतियाँ प्रदर्शित की जाएंगी.

इजिप्ट इस खोज के जरिए अपने टूरिज्म सेक्टर को मजबूत बनाए रखना चाहता है. 2024 में मिस्र को टूरिज्म सेक्टर से 15.3 डॉलर बिलियन का राजस्व प्राप्त हुआ.

महिला जवानों ने दिखाया दम

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों तबाह किया. इसके साथ ही 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया. इस ऑपरेशन के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने घुसपैठ और हमलों की कोशिश की थी, जिसे सीमा सुरक्षा बल ने नाकाम कर दिया.

सीमा सुरक्षा बल के आईजी शशांक आनंद ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद के प्रयासों को नाकाम कर दिया. पहलगाम हमले के बाद, बीएसएफ ने पाकिस्तानी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी और कई आतंकवादियों को मार गिराया. पाकिस्तान के सीजफायर उल्लंघन का भी मुंहतोड़ जवाब दिया गया.

बीएसएफ के डीआईजी एसएस मंड ने बताया कि 8 मई 2025 को हमारी निगरानी ने सीमा की ओर आ रहे 40-50 लोगों की हरकतों का पता लगाया था. हमने एहतियातन हमला किया. इसके तुरंत बाद, पाकिस्तान ने बीएसएफ की सीमा चौकियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका हमने भी मुंहतोड़ जवाब दिया. इनपुट्स से पता चलता है कि हमारे हमले में कई आतंकवादी, उनके समर्थक, रेंजर्स और अधिकारी घायल हुए हैं.

बीएसएफ के डीआईजी सुंदरबनी सेक्टर वरिंदर दत्ता ने बताया कि 8 मई को, हमें रिपोर्ट मिली थी कि सीमा पार पाकिस्तान के लूनी आतंकी लॉन्च पैड पर 18 से 20 आतंकवादी मौजूद हैं और वे यहां घुसपैठ कर सकते हैं, लेकिन हमने हमला करके उन्हें चौंका दिया, जिससे भारी नुकसान हुआ. अखनूर के पास के कई इलाकों के पाकिस्तान ने 9 मई को अंधाधुंध फायरिंग की थी. इसके बाद बीएसएफ ने पलटवार करते हुए उनके लूनी आतंकी लॉन्च पैड को निशाना बनाया था. इसमें उन्हें भारी नुकसान हुआ था.

महिला जवानों ने निभाई शानदार भूमिका : ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ की महिला कर्मियों ने अग्रिम ड्यूटी चौकियों पर लड़ाई लड़ी है. हमारी बहादुर महिला कर्मियों, सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने एक अग्रिम चौकी की कमान संभाली, कांस्टेबल मंजीत कौर, कांस्टेबल मलकीत कौर, कांस्टेबल ज्योति, कांस्टेबल सम्पा और कांस्टेबल स्वप्ना और अन्य ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ अग्रिम चौकियों पर लड़ाई लड़ी है.

> चैक पोस्ट का नाम रखा जाए सिंदूर

कर्नाटक में बीजेपी के दो विधायक पार्टी से किये गए बाहर

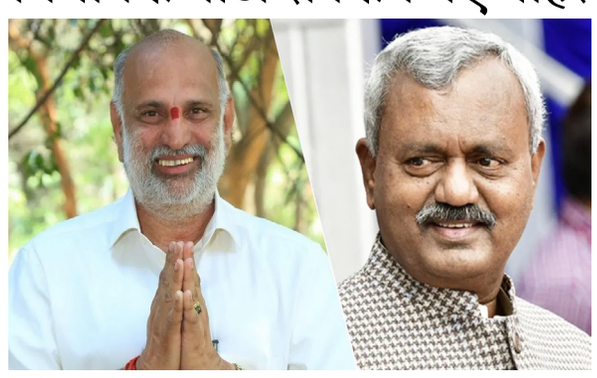

कर्नाटक.

भारतीय जनता पार्टी ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक में अपने दो विधायकों पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया. बीजेपी ने एस टी सोमशेखर और ए शिवराम हेब्बार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है.

बीजेपी की कर्नाटक यूनिट के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के मुताबिक, दोनों विधायकों को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पार्टी से बाहर किया गया है. उन्होंने कहा कि बीजेपी के आलाकमान ने लंबी बातचीत के बाद यह फैसला लिया है. एसटी सोमशेखर कर्नाटक विधानसभा में यशवंतपुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और ए शिवराम हेब्बार येल्लापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं.

पार्टी की केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक के शिवराम हेब्बार को जारी आधिकारिक पत्र के मुताबिक, पार्टी अनुशासन के बार-बार उल्लंघन के कारण यह बड़ा कदम उठाया गया है. लेटर में कहा गया कि आपको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए बाहर करने का फैसला लिया गया है और आप वर्तमान में पार्टी के किसी भी पद से हटा दिए गए हैं. एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार पर बहुत सारी एफआईआर हैं और उनकी जांच हुई हैं. मार्च 2024 के राज्यसभा चुनावों में, सोमशेखर ने पार्टी व्हिप होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन के लिए क्रॉस-वोटिंग की, जबकि हेब्बार ने मतदान से पूरी तरह परहेज किया. दोनों ही कार्रवाइयों को पार्टी के भीतर विद्रोह के रूप में देखा गया.

वहीं डीके शिवकुमार का कहना है कि बीजेपी गंभीर आरोप लगाने वाले नेताओं को बचाती है. उन्होंने कहा कि नहीं, एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार ने विधान सौध में किसी का रेप नहीं किया है.

बहुत सारी एफआईआर हैं, बहुत सारी जांच हुई हैं. कुछ विधायकों ने विपक्षी नेता को एड्स का इंजेक्शन लगाने की कोशिश की, दूसरों ने येदियुरप्पा जी को फंसाने की कोशिश की. लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई.

उत्तर कोरिया में 4 लोगों को सरेआम सज़ा की तैयारी

उत्तर कोरिया.

उत्तर कोरिया में एक जंगी जहाज के लॉन्चिंग के दौरान हुए शर्मनाक हादसे ने तानाशाह किम जोंग उन को बौखला दिया है. जहाज के पानी में लुढ़क जाने की घटना को किम ने देश की गरिमा पर हमला बताया है और अब इस घटना के जिम्मेदार अधिकारियों पर कहर टूट पड़ा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक चौथे अफसर की गिरफ्तारी हो चुकी है और कुछ लोगों को गोलियों से उड़ाए जाने की आशंका जताई जा रही है.

करीब 5 हजार टन वजनी जंगी जहाज लॉन्चिंग सेरेमनी के दौरान ही पलट गया. किम जोंग उन खुद इस कार्यक्रम में मौजूद थे और जहाज के इस हाल ने उनकी साख को जबरदस्त चोट पहुंचाई. किम ने इसे अक्षम्य अपराध बताते हुए सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं.

सरकारी मीडिया के मुताबिक, अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. इनमें मुख्य इंजीनियर कांग जोंग चोल, हुल वर्कशॉप के हेड हान क्यॉंग हाक और डिप्टी मैनेजर किम योंग हाक शामिल हैं. ये गिरफ्तारियां उत्तरी शहर चोंगजिन के शिपयार्ड से हुईं. चौथे आरोपी का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है.

नॉर्थ कोरिया लीडरशिप वॉच के संस्थापक माइकल मैडन ने द सन से बात करते हुए कहा कि कुछ अफसरों को सिर्फ नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, बल्कि उन्हें सज़ा-ए-मौत भी दी जा सकती है. उन्होंने कहा कि किम के सामने यह हादसा हुआ है, इसलिए "मुर्गी को मारो ताकि बंदर डरें" वाली नीति के तहत सार्वजनिक सजा दी जा सकती है.

टीएमसी ने अलीफा अहमद को दिया टिकट

नई दिल्ली.

चुनाव आयोग ने 25 मई को चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनावों की तारीखों का ऐलान किया. अलग-अलग राज्यों की जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, इसमें पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट भी शामिल है. ये सीट टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद के निधन के बाद खाली हो गई थी. अब इसी सीट के लिए 19 जून को मतदान होना है. टीएमसी नें इस विधानसभा सीट के लिए अलीफा अहमद को अपना उम्मीदवार बनाया है. इस बीच राजनीतिक हल्कों में ये चर्चा आम हो गई है कि मुर्शिदाबाद की हिंसा के बाद जनता टीएमसी पर कितना भरोसा कर पाएगी?

इस उपचुनाव को लेकर टीएमसी के आधिकारिक X हैंडल से एक पोस्ट सामने आया है, इसमें लिखा है कि एआईटीसी, चेयरपर्सन ममता बनर्जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव के लिए 19 जून, 2025 को होने वाले चुनाव हेतु हमारे उम्मीदवार की घोषणा करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है. यानी इस उपचुनाव को लेकर टीएमसी फुल कान्फिडेंस में नजर आ रही है. कालीगंज का यह उपचुनाव पश्चिम बंगाल की राजनीति के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि वक्फ संशोधन अधिनियम और इसे लेकर हुए तनाव के बाद ये बाई-इलेक्शन कहीं न कहीं ममता सरकार की प्री-टेस्टिंग साबित हो सकता है.

रिपोर्ट में कुछ आरोप बेहद गंभीर हैं जिसमें स्थानीय पार्षद और पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़ा होना लाजमी है. इसमें कहा गया है कि मुर्शिदाबाद में हिंसा स्थानीय पार्षद के इशारे पर की गई थी और स्थानीय पुलिस नें इसे रोंकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ. इसके चलते सैकड़ों लोग पलायन करनें को मजबूर हुए थे अब ग्रामीणों ने अपनी सुरक्षा के लिए स्थायी बीएसएफ कैंप बनाने की मांग की है.

दिल्ली बीजेपी की नई टीम घोषित

>नए चेहरों को मिली ज़िम्मेदारी

नई दिल्ली.

दिल्ली की सत्ता और सियासत पूरी तरह से बीजेपी अपने नाम कर चुकी है. दिल्ली के सीएम पद से लेकर मेयर की कुर्सी पर विराजमान होने के बाद बीजेपी ने अपनी राजनीतिक जड़े जमाने के लिए संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है. बीजेपी ने सोमवार को दिल्ली जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ-साथ संसदीय प्रदेश परिषद के सदस्यों के नाम का ऐलान कर दिया है.

बीजेपी ने दिल्ली में अपने 14 जिला अध्यक्षों के नाम का ऐलान कर दिया है. पार्टी ने 14 में से 11 जिलों के अध्यक्ष बदल दिए हैं और उनकी जगह नए चेहरों को कमान सौंपी है. बीजेपी ने अपने तीन पुराने चेहरों पर भरोसा जताया है. ऐसे ही दिल्ली की संसदीय परिषद में 105 सदस्यों को नियुक्त किया है, जिसमें मौजूदा 48 विधायकों में से 15 विधायक को ही जगह दी गई. संसदीय परिषद में बीजेपी ने दूसरे दलों से आए नेताओं को खास तवज्जो दी है.

दिल्ली के 14 जिला अध्यक्षों की घोषणा बीजेपी ने कर दी है, जिसमें मयूर विहार, शाहदरा और पश्चिमी दिल्ली के जिला अध्यक्ष अपनी कुर्सी बचाए रख सके हैं. जबकि बाकी जिला अध्यक्ष बदल दिए हैं. बीजेपी ने 11 जिला अध्यक्षों को बदल दिया है, उनकी जगह पर नए चेहरे या पूर्व में इस पद पर रह चुके अनुभवी नेताओं को जिम्मा सौंपा है. इस तरह से प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने अपनी एक मजबूत टीम बनाई है.

घोषित जिला अध्यक्षों में विजेंद्र धामा मयूर विहार, दीपक गाबा शाहदरा एवं चंद्रपाल बख्शी पश्चिमी दिल्ली वर्तमान में भी जिला अध्यक्ष हैं. पहली बार दो महिलाओं, नजफगढ़ से राज शर्मा गौतम और दक्षिणी दिल्ली से माया बिष्ट को जिला अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है.

अरविंद गर्ग, विनोद सहरावत, वीरेंद्र बब्बर एवं मास्टर बिनोद कुमार पूर्व में भी इन्हीं जिलों के अध्यक्ष रह चुके हैं. इस तरह पुराने और नए नेताओं का संतुलन बनाने की कोशिश की है.

बीजेपी के जिला अध्यक्ष की फेहरिश्त

शाहदरा जिला का अध्यक्ष दीपक गाबा को बनाया गया तो मयूर विहार की कमान विजेंद्र धामा, चांदनी चौक का अरविंद गर्ग, करोल बाग का वीरेंद्र बब्बर, महरौली का रवीन्द्र सोलंकी, न्यू शाहदरा का मास्टर विनोद, नार्थ ईस्ट जिला अध्यक्ष यू के चौधरी को बनाया है. केशवपुरम का अजय खटाना और उत्तर पश्चिम का विनोद सहरावत, नई दिल्ली का रविंद्र चौधरी, बाहरी दिल्ली का रामचंद्र चावरिया, दक्षिण दिल्ली का माया बिष्ट, पश्चिमी जिले की कमान चंद्रपाल बख्शी और नजफगढ़ का जिला अध्यक्ष राज शर्मा गौतम को बनाया है.